RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7
22 सालों से इंडस्ट्री में काम ...

वर्ष : 27 अंक : 16 website:www.chetnamanch.com नोएडा, सोमवार, 06 जनवरी, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

HMPV वायरस का भारत में 'डबल अटैक'

कर्नाटक में मिला वायरस, हालात पर नजर : ICMR

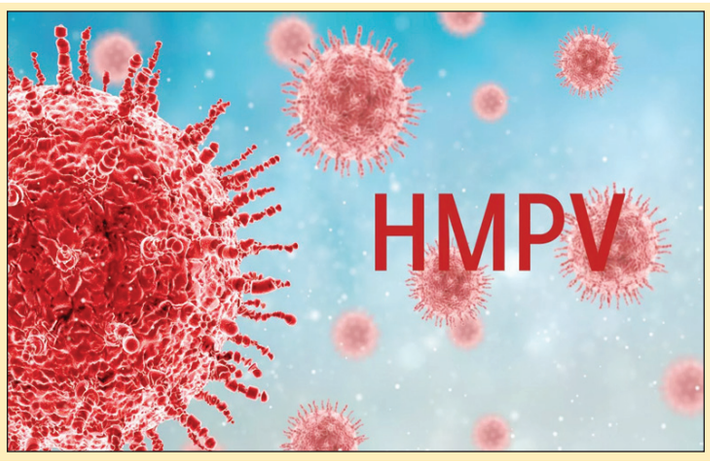

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस के बाद चीन में तेजी से फैल रहे ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) संक्रमण की भारत में दस्तक हो गई है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने कहा कि कर्नाटक में दो एचएमपीवी संक्रमित पाए गए हैं। वहीं केस मिलने के बाद कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री ने आपात बैठक बुलाई है। आईसीएमआर ने कहा है कि हम हालातों पर नजर रखे हुए हैं। इस वायरस से बचने के लिए सावधानी सभी को बरतनी चाहिए।

चीन में इन दिनों ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (HMPV) का प्रकोप देखने को मिल रहा है। वायरस से बड़ी संख्या में लोगों की जान जाने की खबरें आ रही हैं। इसे लेकर भारत में भी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कड़ी निगरानी शुरू कर दी है। कई राज्यों ने एडवाइजरी और अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही भारत में एचएमपीवी वायरस के दो केस सामने आए हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) ने कहा कि एचएमपीवी के दो केस मिले हैं। इनकी जांच की जा रही है।

सुबह बेंगलुरु में 8 महीने के बच्चे के एचएमपीवी से संक्रमित होने की बात सामने आई थी। अब कर्नाटक में ही दूसरा मामला सामने आया है। दूसरा मामला तीन महीने की बच्ची में वायरस मिलने का सामने आया है। इनकी कोई ट्रैवल हिस्ट्री फिलहाल नहीं मिली है।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने कर्नाटक में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के दो मामलों का पता लगाया है। दोनों मामलों की पहचान कई सांस संबंधी वायरल रोगों के लिए नियमित निगरानी के माध्यम से की गई।

इससे पहले कहा गया था कि बंगलूरू के बैपटिस्ट अस्पताल में एक आठ महीने की बच्ची में एचएमपीवी वायरस जैसे लक्षण पाए गए हैं। हालांकि बच्ची में संक्रमण की पुष्टि एक निजी लैब में हुई है। कर्नाटक के स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि उनकी प्रयोगशाला में नमूने की जांच नहीं हुई है। निजी अस्पताल की रिपोर्ट में यह सामने आया है। स्ट्रेन को लेकर जानकारी नहीं है। नमूने को सरकारी प्रयोगशाला में भेजा गया है। वहीं सरकार ने वायरस को लेकर अलर्ट जारी किया है। सतर्कता बरती जा रही है।

वायरस से कैसे बचें

- हाथ धोएं
- भीड़भाड़ से बचें,
- मास्क का उपयोग करें,
- स्वस्थ दिनचर्या अपनाएं
- डॉक्टर की सलाह लें

संभल की सुनहरी मस्जिद से मुस्लिम समाज ने हटाया अतिक्रमण

संभल (एजेंसी)। संभल में प्रशासन बीते करीब ढाई महीने से अतिक्रमण हटाओ अभियान चला रहा है. प्रशासन की ओर से लाउडस्पीकर से मुनादी करवाई जा रही है कि जिन लोगों ने नाले-नालियों के ऊपर अपने दुकान-मकान बनाए हैं, वो खुद हटा लें, वरना नगर पालिका की टीम उसे हटाएगी। चंदौसी इलाके में अतिक्रमण की जद में सुनहरी मस्जिद भी आ गई है, जिसके बाद मुस्लिम समुदाय प्रशासन की कार्रवाई के डर से खुद ही मस्जिद को तुड़वा रहा है।

चंदौसी नगर पालिका क्षेत्र में करीब ढाई महीने से अतिक्रमण मुक्त करने का अभियान चल रहा है। इस दौरान कई बार बुलडोजर की कार्रवाई की गई। प्रशासन की ओर से ई-रिक्शा पर लाउडस्पीकर के जरिए मुनादी करवाई जा रही है कि जिन लोगों ने नाले-नालियों के ऊपर अपनी दुकानें, मकान या अन्य किसी तरीके से अतिक्रमण किया है, उन्हें हटवा लें अन्यथा उसको नगर पालिका अपने ढंग से हटाएगी, जिसका खर्चा उन्हीं लोगों को देना होगा।

ऑपरेशन 'तलाश' चलाकर एक हजार अपराधियों को पकड़ा

नोएडा (चेतना मंच)।

नोएडा पुलिस ने महज तीन दिन में बड़ा कमाल कर दिया है। नोएडा की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर चलाए गए ऑपरेशन 'तलाश' में 1000 अपराधियों को तलाश लिया गया। नोएडा पुलिस के इस ऑपरेशन की सब तारीफ कर रहे हैं।

आपको बता दें कि गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर पुलिस ने ऑपरेशन तलाश शुरू किया। 2 जनवरी से 5 जनवरी तक ये ऑपरेशन चलाया गया। पुलिस ने गौतमबुद्धनगर जिले की सीमा से बाहर जाकर भी दूसरे राज्यों और जिलों से अपराधियों को पकड़ा और महज 3 दिन में 1 हजार अपराधियों को तलाश लिया।

पुलिस ने 150 अपराधियों के खिलाफ गुंडा एक्ट की कार्रवाई की। अभियान के दौरान 566 अपराधी अन्य राज्यों और जिलों से पकड़े गए।

मोबाइल टॉवरों से उपकरण चुराने वाले गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रैकी करने के बाद मोबाइल टॉवरों से कीमती उपकरण चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को थाना बीटा 2 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से टावरों से चोरी किया गया एक आरआरयू, दो बैटरियां और चोरी में प्रयुक्त होने वाले उपकरण बरामद हुए हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक विद्युत गोयल ने बताया कि पुलिस टीम गश्त कर रही थी। इस दौरान मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने ढकिया बाबा वाले मंदिर के पास गोल चक्कर से दो लोगों को हिरासत में लिया। तलाशी में इनके पास से एक आरआरयू, दो बैटरियां और चोरी करने के उपकरण बरामद हुए। पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम साहिल पुत्र वाहिद और मोनिश (शेष पृष्ठ-3 पर)

शादी से मना करने पर की थी सोनी की हत्या

"पुलिस ने हत्यारोपी को मुठभेड़ के बाद दबोचा

गाजियाबाद (चेतना मंच)। थाना कौशाम्बी पुलिस ने चेकिंग के दौरान हत्या के एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस और खून से सना चाकू बरामद किया गया है।

थाना कौशाम्बी पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी, तभी 2/5 वैशाली की पुलिया पर एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस द्वारा रोकने पर वह एलिवेटेड रोड के नीचे कच्ची सड़क पर भागने लगा। पीछा करने पर उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी जिसके बाद पुलिस ने घायल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी का नाम नीरज (35 वर्ष) पुत्र ब्रह्म सिंह निवासी ग्राम भोवापुर थाना कौशाम्बी का निवासी है। पूछताछ में उसने बताया कि वह 31 दिसंबर 2024 को सोनी नामक युवती की हत्या कर चुका है और हत्या में प्रयुक्त चाकू को नष्ट करने जा रहा था।

सोनी की हत्या के मामले में मृतका के पिता सुनील की शिकायत पर थाना कौशाम्बी में मुकदमा संख्या 01/25 धारा 103 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था।

आरोपी नीरज ने बताया कि वह मृतका सोनी का रिश्ते में चचेरा फूफा है। नीरज की शादी को 13-14 साल हो चुके हैं और उसके चार बच्चे हैं। वह नोएडा में कपड़े सिलने का काम करता है। सोनी भी उसके साथ सिलाई का काम करती थी। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गई थीं। नीरज ने स्वीकार किया कि उसने सोनी के साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए थे। जब सोनी की शादी फरीदाबाद में तय हो गई, तो उसने नीरज पर शादी का दबाव डालना शुरू कर दिया। मना करने पर आत्महत्या और जेल भिजवाने की धमकी देने लगी। 31 दिसंबर 2024 को सोनी ने नीरज को मिलने बुलाया और शादी के लिए दबाव डाला। डर और गुस्से में नीरज ने चाकू से सोनी पर ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया।

होज पाइप से ब्रास कपलिंग चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-50 स्थित सिल्वर स्टेट परिवार सोसायटी में लगे होज पाइप से चोरों ने 10 ब्रास कपलिंग चोरी कर लिए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

विचित्र नंदा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 26 नवंबर को सोसायटी के सफाई कर्मचारी ने उन्हें सूचना दी कि सोसायटी के भीतर लगे फायर होज पाइप से 10 ब्रास कपलिंग चोरी कर लिए गए हैं। जब इस मामले की पड़ताल की गई तो पता चला कि 25 नवंबर को एक अज्ञात व्यक्ति मौका पाकर सुबह के समय सोसायटी में घुस गया था। इस व्यक्ति ने ब्लॉक 2, 3 और 6 में लगे फायर होज पाइप से ब्रास के 10 कपलिंग चोरी कर लिए और फरार हो गया।

उन्होंने बताया कि चोरी गए सामान की कीमत करीब 25 हजार रुपए है। पुलिस का कहना है कि शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है। सोसायटी में लगे सीसीटीवी कैमरा की फुटेज को भी देखा जा रहा है।

पत्नी की सैलरी शॉपिंग में उड़ा देता है पति

महिला से मारपीट कर फरार हो गया

नोएडा (चेतना मंच)। थाना एक्सप्रेसवे में एक महिला ने अपने पति के खिलाफ गाली-गलौज व मारपीट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि उसका पति उसके जेवर और पैसे लेकर फरार हो गया है।

सेक्टर-34 में रहने वाली मीनाक्षी (काल्पनिक नाम) ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसका पति गगनप्रीत सिंह आए दिन उसके साथ मारपीट कर गंदी-गंदी गालियां देता है। 28 अक्टूबर को उसके पति ने उसके साथ बिना वजह गाली-गलौज कर मारपीट की। मारपीट के दौरान उसके पति ने दरवाजे से उसकी उंगली भी कुचलने की कोशिश की। मारपीट करने के बाद वह घर से चला गया। पीड़िता का कहना है कि उसका पति उसकी सैलरी के पैसों को अपनी शॉपिंग में उड़ा देता है। इसके अलावा उसके सभी गहने भी उसके पति ने अपने पास रख लिए हैं। पुलिस का कहना है कि महिला की शिकायत पर उसके पति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

गांजे के साथ दबोचा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-113 पुलिस ने एक गांजा विक्रेता को गिरफ्तार किया है। इसके पास से गांजा बरामद हुआ है। थाना प्रभारी ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर एफएनजी सर्विस रोड के पास से मोहित पुत्र वीर सिंह निवासी दल्लूपुरा, नई दिल्ली को हिरासत में लिया गया। तलाशी में इसके पास से 1 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पकड़े गए आरोपी ने बताया कि वह नशे के आदी लोगों को गांजे की बिक्री करता था। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया।

दो बाइक चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के अलग-अलग स्थान से वाहन चोर दो बाइक को चोरी कर ले गए। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

कुलेसरा के रहने वाले सुमित ठाकुर ने थाना सूरजपुर में अपनी बाइक चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सुमित ठाकुर ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह 13 दिसंबर की दोपहर को सूरजपुर स्थित जन सेवा केंद्र पर अपने जरूरी काम से गया था। उसने अपनी बाइक कार्यालय के पास पार्किंग में खड़ी कर दी। कुछ समय बाद कार्य पूर्ण होने पर जब वह पार्किंग में आया तो उसकी बाइक गायब थी। उसने अपनी बाइक की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला।

ग्राम चिपियाना बुजुर्ग निवासी मोहित शर्मा ने भी थाना सूरजपुर में अपनी बाइक चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मोहित शर्मा ने बताया कि 2 जनवरी की रात्रि को वह बाइक से अपने घर आ रहा था। रास्ते में सेक्टर ईटा-1 गोल चक्कर के पास उसकी बाइक की चेन टूट गई। (शेष पृष्ठ-3 पर)

नाबालिग लड़कियों को भगाने वाले गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-2 पुलिस ने नाबालिग लड़कियों को भगाने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने किशोरियों को भी बरामद कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ पोक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

थाना फेस 2 प्रभारी विंध्याचल तिवारी ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर शाहिद उर्फ सलमान पुत्र सिराज खलीफा और इरशाद आलम पुत्र मुन्ना मियां को कस्बा दादरी से गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपी मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं और हाल में नया गांव में रह रहे हैं। दोनों आरोपी पड़ोस में रहने वाली दो नाबालिग किशोरियों को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से किशोरियों को भी सुपुर्दगी में लिया। किशोरियों का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

मुख्यमंत्री से मिले पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर

लखनऊ। *उत्तर प्रदेश शासन में पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर ने रविवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की।*

उन्होंने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की जमीन से प्रभावित किसानों को बढ़ा हुआ मुआवजा देने पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों की समस्या को नकर उनका समाधान कराया है।

नोएडा एयरपोर्ट की जमीन से जुड़े किसान लंबे समय से बढ़े हुए मुआवजे की मांग कर रहे थे। श्री नागर ने मुख्यमंत्री से अन्य समस्याओं के लिए प्रदर्शन कर रहे किसानों की मांगों को भी पूरा करने का निवेदन किया, जिस पर मुख्यमंत्री ने जल्द से जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया।

हथियार के साथ दबोचा बदमाश

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-113 पुलिस ने अवैध हथियार के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया बदमाश आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से घूम रहा था।

पुलिस ने गश्त के दौरान भारत हॉस्पिटल के पास संदिग्ध अवस्था में घूम रहे एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। तलाशी में इसके पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम गणेश हलदार पुत्र पवन हलदार निवासी दल्लूपुरा, नई दिल्ली बताया। आरोपी ने स्वीकार किया कि वह आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से तमंचा लेकर घूम रहा था। आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दूषित भूजल

हरित क्रांति के अगुआ बनकर देश के खाद्यान्न संकट दूर करने वाले राज्य पंजाब व हरियाणा का भूजल चिंताजनक स्तर तक दूषित पाया गया है। धान व अन्य फसलों की बंपर पैदावार के लिये भूजल का अंधाधुंध दोहन करने वाले इन राज्यों का भूजल का स्तर उस गहराई तक जा पहुंचा है, जहां उसमें यूरेनियम जैसे घातक पदार्थों की मात्रा गंभीर स्थिति तक जा पहुंची है। पूरे देश में भूजल की गुणवत्ता की जांच के लिये लिये गए बीस फीसदी सैंपल निर्धारित कसौटी पर खरे नहीं उतरे हैं। इन सैंपलों में नाइट्रेट का स्तर सीमा से अधिक मिला है। पानी की गुणवत्ता को लेकर केंद्रीय भूजल बोर्ड की सालाना रिपोर्ट गंभीर चिंताओं का खुलासा करती है। जहां अरुणाचल, मिजोरम, मेघालय, जम्मू- कश्मीर आदि के सौ फीसदी सैंपल भारतीय मानक ब्यूरो के मानकों पर खरे उतरे हैं, वहीं पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उ.प्र. तथा आंध्र प्रदेश में पानी बड़े पैमाने पर प्रदूषित मिला है। देश में कुल 15,259 भूजल निगरानी स्थानों का चयन पानी की क्वालिटी नापने के लिये किया गया। मगर पंजाब के पानी के नमूने में मिले घातक तत्व चिंता बढ़ाने वाले हैं। पंजाब के भूजल में तीस फीसदी सैंपलों में अधिक यूरेनियम पाया गया। फिक्र की बात यह है कि पंजाब व राजस्थान यूरेनियम प्रदूषण के मद्देनजर हॉट स्पॉट हैं। दरअसल, यूरेनियम के अधिक प्रदूषण का मुख्य कारण भूजल का अत्यधिक दोहन है। जो भूजल स्रोत अधिक यूरेनियम वाले क्लस्टर हैं, वे अति दोहित, गंभीर व अर्धगंभीर श्रेणी वाले इलाके हैं। वास्तव में भूजल के अंधाधुंध दोहन से पानी का स्तर उस स्थान तक जा पहुंचा है, जहां पानी में यूरेनियम अधिक है। जो कि कैंसर जैसी अनेक गंभीर बीमारियों का कारण बनता जा रहा है। हाल के वर्षों में पंजाब के कई इलाकों में कैंसर के अधिक मामले सामने आए हैं। यहां तक कि पंजाब से राजस्थान रोगियों को इलाज के लिए ले जाने वाली ट्रेन को कैंसर ट्रेन तक कहा जाता रहा है। निश्चित रूप से केंद्रीय भूजल बोर्ड की यह रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है। हमने मुनाफा बढ़ाने के लिये जिस भूजल का अंधाधुंध दोहन किया है वह अब अपना नकारात्मक प्रभाव दिखाने लगा है। निश्चित रूप ने कुदरत ने हमें आवश्यकता का जल तो दिया है लेकिन उसके अनियंत्रित दोहन की अनुमति नहीं दी है। पंजाब बड़े पैमाने पर धान की खेती करता रहा है। हालांकि, पंजाब के भोजन में चावल प्राथमिक नहीं रहा है। लेकिन व्यावसायिक हितों की पूर्ति के लिये धान की खेती को प्रश्रय दिया गया। इस खेती की वजह धान की फसल पर न्यूनतम समर्थन मूल्य का मिलना भी है। अब किसानों को फसलों के विविधीकरण के लिये प्रेरित किया जाना चाहिए। ग्लोबल वार्मिंग संकट के मद्देनजर यह चुनौती और गंभीर हो जाती है क्योंकि वर्षा जल के पैटर्न में बड़ा बदलाव आया है। जिसके चलते सूखे व बाढ़ जैसी स्थितियां कभी भी पैदा हो जाती हैं। ग्लोबल वार्मिंग के संकट के मद्देनजर उन फसलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो कम पानी में उग सकें और अधिक मुनाफा दे सकें। सरकारों की ओर से मुफ्त सिंचाई की सुविधा के सवाल पर भी पुनर्विचार किया जाना चाहिए। दरअसल, हमें जो चीज मुफ्त उपलब्ध हो जाती है, हम उसके उपयोग में किफायत नहीं बरतते। हमें हर मुफ्त चीज की बड़ी कीमत कालांतर चुकानी पड़ती है। वहीं दूसरी ओर केंद्रीय भूजल बोर्ड की रिपोर्ट राजस्थान व गुजरात के भूजल में निर्धारित मानक से अधिक फ्लोराइड होना बताती है। यहां एक विचारणीय प्रश्न यह भी है कि कई स्थानों पर मानसून के बाद पानी गुणवत्ता में सुधार देखा गया। ऐसे में हमें वर्षा जल को धरती में रिचार्ज करने की दिशा में गंभीरता से सोचना चाहिए। दरअसल, रिपोर्ट बताती है कि बारिश के पानी के रिचार्ज होने से घातक पदार्थ का असर कम हो जाता है। गंभीर बात यह भी है कि इस रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के 440 जिलों के भूजल में नाइट्रेट खतरनाक स्तर तक पाया गया है। जो कि अनेक गंभीर बीमारियों का कारक बन सकता है। इस गंभीर संकट पर समाज, सरकार व स्वयंसेवी संगठनों को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि सब देवताओं को आदर सहित बुलवा लिया और सबको यथायोग्य आसन दिए। वेद की रीति से वेदी सजाई गई और स्त्रियाँ सुंदर श्रेष्ठ मंगल गीत गाने लगीं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सिंघासनु अति दिब्य सुहावा। जाइ न बरनि बिरंचि बनावा॥
बैठे सिव बिप्रन्ह सिरु नाई। हृदयँ सुमिरि निज प्रभु रघुराई॥

वेदिका पर एक अत्यन्त सुंदर दिव्य सिंहासन था, जिस (की सुंदरता) का वर्णन नहीं किया जा सकता, क्योंकि वह स्वयं ब्रह्माजी का बनाया हुआ था। ब्राह्मणों को सिर नवाकर और हृदय में अपने स्वामी श्री रघुनाथजी का स्मरण करके शिवजी उस सिंहासन पर बैठ गए॥

बहुरि मुनीसन्ह उमा बोलाई। करि सिंगारु सखीं लै आई॥
देखत रूपु सकल सुर मोहे। बरनै छबि अस जग कबि को है॥

फिर मुनीश्वरों ने पार्वतीजी को बुलाया। सखियाँ श्रृंगार करके उन्हें ले आईं। पार्वतीजी के रूप को देखते ही सब देवता मोहित हो गए। संसार में ऐसा कवि कौन है, जो उस सुंदरता का वर्णन कर सके?॥

जगदंबिका जानि भव भामा। सुरन्ह मनहिं मन कीन्ह प्रनामा॥
सुंदरता मरजाद भवानी। जाइ न कोटिहुँ बदन बखानी॥

पार्वतीजी को जगदम्बा और शिवजी की पत्नी समझकर देवताओं ने मन ही मन प्रणाम किया। भवानीजी सुंदरता की सीमा हैं। करोड़ों मुखों से भी उनकी शोभा नहीं कही जा सकती॥

(क्रमशः..)

स्कूलों में छात्रों की संख्या का घटना चिन्ताजनक

"भारत में शिक्षा प्रणाली लाखों छात्रों के जीवन और भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपने समृद्ध इतिहास और विविध संस्कृति के साथ, भारत में एक जटिल और विशाल शैक्षिक परिदृश्य है।"

शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत में स्कूलों की संख्या बढ़ रही है, पर स्कूली छात्रों की संख्या घट रही है। स्कूली छात्रों की संख्या घटना न केवल चिंताजनक और विचारणीय है बल्कि नये भारत-सशक्त भारत निर्माण की एक बड़ी बाधा भी है। भारत में स्कूलों की संख्या में करीब 5,000 की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तरों सहित 14,89,115 स्कूल हैं। ये स्कूल 26,52,35,830 छात्रों को पढ़ाते हैं। इनमें से कुछ स्कूलों को उनकी प्रतिष्ठा, स्थापना के वर्षों, महत्वपूर्ण स्कूल परिणामों, मार्केटिंग रणनीतियों आदि के कारण उच्च छात्र नामांकन प्राप्त होते हैं लेकिन पर साल 2022-23 व 2023-24 के बीच स्कूली छात्रों के नामांकन में 37 लाख की कमी आई है। यह स्थिति अनेक सवाल खड़े करती है। क्या स्कूली शिक्षा ज्यादातर बच्चों की पहुंच के बाहर है? क्या शिक्षा का आकर्षण पहले की तुलना में घटा है?

भारत में शिक्षा प्रणाली लाखों छात्रों के जीवन और भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपने समृद्ध इतिहास और विविध संस्कृति के साथ, भारत में एक जटिल और विशाल शैक्षिक परिदृश्य है। भारत में शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत पूर्व-प्राथमिक, प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा सहित विभिन्न चरण शामिल हैं। महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। डेटा एग्रीगेशन प्लैटफॉर्म यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस की यह ताजा रिपोर्ट देश के स्कूली इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए सुधार के साथ ही उन अहम दिक्कतों की भी झलक देती है, जिन्हें दूर किया जाना बाकी है। बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बेहतर होने के बावजूद छात्रों की संख्या का घटना गहन विमर्श का विषय है।

शिक्षा मानव-जीवन के विकास का आधार स्तंभ है। शिक्षा के अभाव में मानव-जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती। यह मनुष्य को उत्कृष्टता एवं उच्चता के शिखर पर स्थापित करती है। शिक्षा प्रकाश एवं शक्ति का ऐसा स्रोत है जो नये भारत के विकास का आधार है। जो हमारी शारीरिक, मानसिक, भौतिक और आध्यात्मिक शक्तियों तथा क्षमताओं का निरन्तर सामंजस्यपूर्ण विकास करके नये भारत, सशक्त भारत के निर्माण के संकल्प को मजबूती देता है। देश में पिछले साल के मुकाबले स्कूलों की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन छात्रों के नामांकन में गिरावट देखी गई है। जहां स्कूलों की संख्या 14.66 लाख से बढ़कर 14.71 लाख हो गई वहीं इनमें होने वाला छात्रों का नामांकन 25.17 करोड़ से घटकर 24.80 करोड़ हो गया। यह गिरावट कमोबेश सभी श्रेणियों यानी लड़के लड़कियां, ओबीसी, अल्पसंख्यक आदि में है। जहां तक शिक्षा के बीच में छात्रों के स्कूल छोड़ने के मामलों की बात है तो इसमें सेकंडरी स्तर में होने वाली बढ़ोतरी ज्यादा परेशान करने वाली है। मिडल स्कूलों में जो ड्रॉपआउट दर 5.2 प्रतिशत है, वह सेकंडरी स्टेज में आकर 10.9 प्रतिशत हो जाती है। इसके पीछे ओबीसी और एससी-एसटी श्रेणी के छात्रों को दाखिले के दौरान होने वाली जटिल प्रक्रिया, मुश्किलें और किसी अभावग्रस्त छात्र के लिए आर्थिक मदद या छात्रवृत्ति जैसी सुविधाओं की कमी का हाथ हो सकता है।

छात्रों के नामांकन की घटती संख्या को जाति के आधार पर अगर देखें, तो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों के नामांकन में 25 लाख से अधिक, अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के छात्रों में 12 लाख और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के छात्रों में दो लाख की गिरावट हुई है। नामांकन से वंचित हुए अल्पसंख्यक छात्रों की संख्या तीन लाख है, जबकि इनमें से एक तिहाई मुस्लिम हैं। भारत में नई पीढ़ी को यथोचित शिक्षा नहीं मिल पा रही है। शिक्षा से वंचित रहने के जो कारण हैं, उनमें सबसे बड़ा कारण गरीबी है। सरकारी स्तर पर सरकारों ने गरीब छात्रों के लिए अनेक इंतजाम किए हैं, पर इन इंतजामों का सभी छात्रों तक समान रूप से पहुंचना आसान नहीं है। निचले स्तर पर शिक्षकों और शिक्षा कर्मचारियों को जितना सजग होना चाहिए, उतना सजग वे नहीं हो पा रहे हैं। भारत जैसे देश में शिक्षा एक अभियान है, इसके लिए अगर नियोजित एवं उत्साहपूर्ण माहौल न बनाया जाए, तो गरीब व वंचित बच्चों तक शिक्षा को पहुंचाना चुनौतीपूर्ण है। कोई संदेह नहीं कि किसी भी अभियान में अगर समर्पित लोग आपके पास नहीं हैं, तो फिर उस अभियान की सफलता संदिग्ध हो जाती है।

भारत में शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव की जरूरत है। यदि हमें सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करना है और सही दिशा में आगे बढ़ना है तो कई पहलुओं एवं मोर्चों पर काम करना आवश्यक है। हमारी आजादी के बाद से ही शिक्षा क्षेत्र में कुछ ऐसे मुद्दे हैं

जिन्होंने हमें दुनिया में एक विकसित राष्ट्र बनने से रोक दिया है। भारत में एक सभ्य शिक्षा प्रणाली के महत्व की जरूरत को समझते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नयी शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत अनेक प्रयास किये जा रहे हैं। देश की शिक्षा प्रणाली को नया आकार दिया जा रहा है और शिक्षा से जुड़े कई बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। प्रणाली को आधुनिक बनाने और व्यावसायिक प्रशिक्षण शुरू करने के प्रयास हो रहे हैं। बहरहाल, यह खुशी की बात है कि अब भारत के 91.7 प्रतिशत स्कूलों तक बिजली पहुंच चुकी है। अभियान चलाकर देश के बाकी बचे स्कूलों तक विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होनी चाहिए। देश में 98 प्रतिशत से ज्यादा स्कूलों तक पेयजल सुविधा के साथ ही टॉयलेट की सुविधा पहुंच चुकी है। स्कूलों को संसाधन संपन्न बनाने के साथ ही शिक्षकों और पुस्तकों की गुणवत्ता एवं स्कूलों को संसाधन के स्तर पर भी बहुत मजबूत करने की जरूरत है। भारत के 60 प्रतिशत स्कूलों में भी कंप्यूटर उपलब्ध नहीं हैं और इंटरनेट की सुविधा वाले स्कूलों की संख्या 50 प्रतिशत से भी कम है। आज के समय में जब हमें बड़े पैमाने पर कुशल कामगारों की जरूरत पड़ेगी, तब किसी का कंप्यूटर शिक्षा से वंचित होना बहुत महंगा पड़ेगा। आज के समय में हर छात्र या हर नागरिक को कंप्यूटर और इंटरनेट का सामान्य ज्ञान होना ही चाहिए। कंप्यूटर आज के समय में विलासिता नहीं, बल्कि महत्वपूर्ण एवं अनिवार्य जरूरत है।

नया भारत बनाने के लिए शिक्षा का बहुत महत्व है। शिक्षा के ज़रिए ही देश का विकास होता है और समाज में सकारात्मक बदलाव आता है। हालांकि, कई स्कूल अभिभावकों और छात्रों को बनाए रखने और आकर्षित करने के लिए संघर्ष करते हैं। इन संघर्ष की स्थितियां का नियंत्रित होना जरूरी है। इसी से भारत दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था एवं विश्व गुरु होने का दर्जा पा सकेगा। क्योंकि शिक्षा दृष्टि और दृष्टिकोण को बढ़ाती है, जिससे समाज में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा होती है। इससे उन्नत एवं चरित्रसम्पन्न नागरिकों का निर्माण होता है एवं देश विकास की ओर अग्रसर होता है। सामाजिक न्याय के क्षेत्र में प्रगति करने की इच्छा भी बढ़ती है, अन्याय, भ्रष्टाचार, हिंसा, असमानता और सांप्रदायिकता आदि से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। शिक्षा एक ऐसे लोकतंत्र को सुनिश्चित करती है जिसमें एक सभ्य और सुसंस्कृत समाज शामिल हो। यह आर्थिक रूप से वंचित समूहों के उत्थान में भी मदद करता है और कई नौकरी और रोजगार के अवसरों का निर्माण सुनिश्चित करता है। एक सभ्य शिक्षा प्रणाली विचारों, ज्ञान और अच्छी प्रथाओं का शांतिपूर्ण आदान-प्रदान सुनिश्चित करती है। यह अपराध और आतंकवाद को कम करने में मदद करता है; इस प्रकार, कानून और व्यवस्था के मुद्दों को नियंत्रण में रखा जाता है। एक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली राष्ट्रीय और सांस्कृतिक मूल्यों को विकसित करने के साथ-साथ भाईचारे की भावना को बढ़ाने में मदद करती है।

भारतीय परिदृश्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच एक बड़ी बाधा है। उचित बुनियादी ढांचे की कमी और शिक्षा के प्रति समाज के कई वर्गों में कम उत्साह के कारण भारत में शिक्षा के लक्ष्य पूरे नहीं हो पाते हैं। शिक्षा प्रणाली में कुछ चुनौतियाँ हैं जिनके कारण भारत इष्टतम विकास को पूरा करने में सक्षम नहीं है। भारत में शिक्षा के परिदृश्य को बेहतर बनाने एवं छात्रों के नामांकन को बढ़ाने के लिए उन नीतियों पर सख्ती से काम करने की आवश्यकता है जो भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली सुनिश्चित करें।

लेखक-ललित गर्ग

नेताओं की बढ़ती संपत्ति से गरीबी का उपहास

भारत में 12.9 करोड़ लोगों को एक वक्त का खाना भी ठीक तरह से मयस्सर नहीं होता और नेताओं की सुरसा के मुंह की तरह बढ़ती संपत्ति इनकी गरीबी का उपहास उड़ा रही है। इस पर भी तुर्रा यह है कि देश के नेता आम जनता के लिए काम करते हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चन्द्रबाबू नायडू देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं। उनके पास 931 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू दूसरे नंबर पर हैं। उनके पास 332 करोड़ रुपए से अधिक की कुल संपत्ति है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया तीसरे नंबर पर हैं। उनके पास 51 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति है। यह खुलासा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट में किया गया है। देश के 31 मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति 1, 630 करोड़ रुपए है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि प्रति मुख्यमंत्री की औसत संपत्ति 52.59 करोड़ रुपए है। भारत की प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय या एनएनआई 2023-2024 के लिए लगभग 1,85,854 रुपए थी, जबकि एक मुख्यमंत्री की औसत स्व.आय 13,64,310 रुपए है, जो भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय का लगभग 7.3 गुना है। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सिर्फ 15 लाख रुपए की संपत्ति के साथ सबसे कम संपत्ति वाली मुख्यमंत्री हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला 55 लाख रुपए की संपत्ति के साथ सूची में दूसरे सबसे गरीब मुख्यमंत्री हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन 1.18 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ तीसरे सबसे कम संपत्ति वाले मुख्यमंत्री हैं। मुख्यमंत्रियों की इस संपत्ति का खुलासा चुनाव आयोग में दिए गए संपत्ति के ब्योरे से हुआ है। गौरतलब है कि चुनाव आयोग के पास ऐसा कोई तरीका नहीं है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि जो जानकारी दी है, वह सही या कुछ छिपाया गया है। दरअसल देश के नेता चुनाव आयोग को वही जानकारी देते हैं, जिसे वे आयकर रिर्टन में भरते हैं। देश में आयकर रिर्टन भरने वाले भी आयकर और प्रवर्तन निदेशालय के जाल में फंसते रहे हैं। सिर्फ रिर्टन फाइल कर लेने मात्र से किसी की संपत्ति या आय दूध की धुली नहीं हो जाती। यदि ऐसा ही होता तो देश के सैकड़ों नेता ईडी, सीबीआई और आयकर के लपेटे में नहीं आते। हालांकि इनके जाल में फंसने के बाद नेता यही राग अलापते रहे हैं कि विपक्ष में होने के कारण उन्हें जानबूझ कर फंसाया गया है।

विपक्षी दलों के दिग्गज नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा और उसके सहयोगी दलों पर भी सवाल उठते रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सत्तारूढ़ भाजपा और उसके सहयोगियों में सभी ईमानदार हैं। चन्द्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार के समर्थन से बहुमत में केंद्र की भाजपा सरकार में क्या इतना साहस है कि इनके दलों के नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार को लेकर कोई कार्रवाई कर सके। क्या यह संभव है कि इन दोनों दलों के नेताओं के भ्रष्टाचार की जानकारी केंद्रीय जांच एजेंसियों को नहीं हो। यही वजह है कि जांच एजेंसियों पर दुर्भावना से कार्रवाई करने के आरोप लगते रहे हैं। विपक्षी दलों का यह भी आरोप है कि जिन विपक्षी नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया, उनके मामले रफा-दफा कर दिए गए। 2014 से 2022 तक ईडी के निशाने पर रहे करीब 95 फीसदी यानी 115 नेता विपक्ष से थे। हालांकि ये आंकड़े 2022 तक के ही हैं। इसके बाद 2023 में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए थे और इस दौरान विपक्षी दलों ने अलग-अलग राज्यों पर हुई ईडी, सीबीआई की छापेमारी को राजनीति से प्रेरित बताया था। वर्ष 2004-14 में 26 नेताओं से ईडी ने पूछताछ की थी। इनमें करीब 54 फीसदी यानी 14 नेता विपक्ष से थे। यह संभव है कि मुख्यमंत्रियों और दूसरे नेताओं ने संपत्ति व्यवसायों के जरिए अर्जित की हो या फिर पुश्तैनी हो। इसके बावजूद इतनी भारी संपत्ति होना देश में गरीबी की जीवन रेखा से नीचे रहने वालों के मुंह तो चिढ़ाती है। जबकि नेता आम लोगों के प्रतिनिधित्व का दावा करते हैं। वर्ष 2023 बहुआयामी गरीबी सूचकांक रिपोर्ट में पाया गया है कि दुनिया के सभी गरीब लोगों में से एक तिहाई से अधिक दक्षिण एशिया में रहते हैं, जो लगभग 12.9 करोड़ लोग हैं। भारत इस संख्या में महत्त्वपूर्ण योगदान देता है, जो अत्यधिक गरीबी में लगभग 70 प्रतिशत की वृद्धि के लिए जिम्मेदार है। विश्व बैंक अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा के आधार पर गरीबी को परिभाषित करता है, जिसके अनुसार प्रति व्यक्ति प्रति दिन 2.15 डॉलर की दर से अत्यधिक गरीबी तय की जाती है, जबकि 3.65 डॉलर निम्न-मध्यम आय श्रेणी में आता है तथा 6.85 डॉलर उच्च-मध्यम आय श्रेणी में वर्गीकृत किया जाता है।

वैश्विक निर्धारित गरीबी रेखा 3.65 डॉलर प्रति व्यक्ति है। भारत का योगदान वैश्विक गरीबी दर में मामूली वृद्धि के 40 प्रतिशत के बराबर है, जो 23.6 प्रतिशत से बढ़कर 24.1 प्रतिशत हो गई है। भारत में गरीबी दर मिटाने के मामले में केरल सबसे आगे है। केरल में सिर्फ 0.71 प्रतिशत आबादी गरीब है। वहीं, बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में गरीबी दर सबसे ज्यादा है। बिहार में 51.91 प्रतिशत, झारखंड में 42.16 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 37.79 प्रतिशत आबादी गरीबी में रहती है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2024 के मुताबिक, भारत को 127 देशों में 105वां स्थान मिला। भारत अपने पड़ोसी देशों श्रीलंका, नेपाल, म्यांमार और बांग्लादेश से भी पीछे है। भारत में भुखमरी की वजह से अकसर मौत भी हो जाती है। भुखमरी के कारण बच्चों और वयस्कों में कुपोषण, बौनापन और दुर्बलता हो सकती है। भुखमरी सिर्फ भोजन तक सीमित नहीं है, यह सरकार की जरूरतमंद लोगों की मदद करने में विफलता को दर्शाता है। भारत में भुखमरी की समस्या मुख्य रूप से बिहार, मध्य प्रदेश, असम, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में है। इन राज्यों में से बिहार और उत्तर प्रदेश में भारत की कुल भूखी आबादी का एक तिहाई हिस्सा है। भारत में भ्रष्टाचार का आलम यह है कि देश का एक भी राज्य ऐसा नहीं है, जिसके विभाग को सौ प्रतिशत भ्रष्टाचार से मुक्त कहा जा सकता है। राज्यों में चाहे किसी भी दल की सरकारें हों, हर पार्टी सत्ता में आने के बाद यही दावा करती है कि भ्रष्टाचार को जड़मूल से मिटाया जाएगा। सत्ता में आते ही यह वादा हवा हो जाता है। जब कभी कोई भ्रष्ट कार्मिक पकड़ा जाता है, तब सरकार यही दावा करती है कि किसी भ्रष्टाचारी को बख्शा नहीं जाएगा, किंतु यह दावा कभी नहीं करती कि जिस विभाग का आरोपी पकड़ा गया है, वह विभाग अब पूरी तरह से भ्रष्टाचार से मुक्त हो चुका है। देश में भ्रष्टाचार, गरीबी और भुखमरी के बीच नेताओं की बढ़ती हुई संपत्ति में बेशक सीधा कोई संबंध न हो किंतु सवाल तो उठना लाजिमी है।

-योगेंद्र योगी

राशिफल

पौष शुक्ल पक्ष सप्तमी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
अज्ञात भय सताएगा। सिर दर्द और नेत्र पीड़ा संभव है। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
आय में अनियमितता बनी रहेगी। उतार-चढ़ाव बना रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
कोर्ट-कचहरी से बचें। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। बाकी प्रेम-संतान ठीक-ठाक है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
यात्रा से बचें। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। अपमानित होने का भय रहेगा। प्रेम-संतान भी मध्यम है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
चोट-चपेट लग सकता है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
स्वंय के स्वास्थ्य और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी-चाकरी में कोई रिस्क न लें।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
पैरों में चोट-चपेट लग सकती है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम रहेगा। प्रेम-संतान का साथ होगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
बच्चों के सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू,मैं-मैं से बचें। नकारात्मक सोच के शिकार होंगे।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
भूमि और वाहन की खरीदारी में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। मां का स्वास्थ्य खराब रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
नाक, कान और गला की परेशानी होगी या कंधे और भुजाओं में थोड़ी दर्द हो सकता है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। धन हानि के संकेत हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम-संतान की स्थिति लगभग ठीक है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
नकारात्मक ऊर्जा के शिकार होंगे। स्वास्थ्य, प्रेम और व्यापार ठीक नहीं चल रहा है। बहुत ध्यान से चलें।

जेल गये किसानों का किया स्वागत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान सभा ने जैतपुर कार्यालय पर भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष सुखबीर खलीफा, किसान एकता संघ के अध्यक्ष सोरन प्रधान, अखिल भारतीय किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा, उपाध्यक्ष गबरी मुखिया, अशोक भाटी, सुरेश यादव, विजय यादव, प्रशांत भाटी, नितिन चौहान, फिरे नागर का स्वागत किया।

अखिल भारतीय किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा ने उपस्थित कार्यकर्ताओं नेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मुनेंद्र गुर्जर एवं उनके संगठन द्वारा गौतम बुद्ध नगर के किसानों को जेल भेजने के विरोध में 10 से अधिक जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन कर किसानों की मांगों को पूरा करने एवं उन्हें बिना शर्त रिहाई करने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिए थे गौतम बुध नगर के किसान भारतीय किसान यूनियन इंडिया के आभारी हैं। मुनेंद्र गुर्जर ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन इंडिया गौतम बुध नगर के किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है आप लोगों ने जिस बहादुर के साथ संघर्ष किया हम उसे सलाम करते हैं और आगे भी आपके समर्थन में हाजिर रहेंगे। साथ ही सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि बड़े से बड़ी तानाशाही सरकार भी किसानों की आवाज को दबाने में कामयाब नहीं रही है योगी सरकार यह गलतफहमी निकाल दे और तुरंत किसानो की समस्याओं का हल करे।

गवरी मुखिया ने उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा की दनकौर के थाना अध्यक्ष को महिलाओं के साथ बद्दालू की करने उनके साथ मारपीट करने को गंभीरता से हम लोगों ने पुलिस कमिश्नर के सम्मुख उठाया है और दोषी थाना अध्यक्ष के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है पुलिस कमिश्नर द्वारा कार्रवाई नहीं किए जाने पर हम लोग आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

प्रभारी निरीक्षक को किया सम्मानित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बादलपुर के प्रभारी निरीक्षक का कल किसान मजदूर मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने सम्मानित किया।

इस उपलब्धि पर किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के सदस्यों ने थाना अध्यक्ष अमरीश कुमार को फूल माला पहनाकर और पगड़ी बांधकर सम्मानित किया। दादरी तहसील अध्यक्ष राजकुमार रूपवास ने कहा कि किसान गरीब मजदूर बेसहारा लोगों की मदद होनी चाहिए और बादलपुर मंडी में रविवार को लगने वाले बाजार के कारण शाम को जाम की समस्या बढ़ जाती थी, जिससे आम जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। जिसमें इंस्पेक्टर अमरेश कुमार ने सुझाव दिया कि रविवार को दो पुलिसकर्मी तैनात किए जाएं, ताकि इस समस्या का समाधान हो सके।

उम्मीद संस्था के संस्थापक डॉ. देवेंद्र कुमार नागर ने सर्दी के मौसम में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता व्यक्त की।

मंगलवार से निकलेगा रुद्र-काली एवं खाटू श्याम रथ

नई दिल्ली। माता महाकाली एवं कलयुग के अवतारी खाटू श्याम बाबा की कृपा के साथ विक्रम संवत् 2081 के पौष शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि, दिन मंगलवार (7 जनवरी) से रुद्र-काली एवं खाटू श्याम रथ दिल्ली के सुभाष पार्क एक्सटेंशन, उत्तम नगर से निकाला जाएगा। इसके लिए जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं।

जानकारी देते हुए रुद्र-काली एवं खाटू श्याम रथ के आयोजक रुद्र-काली पुत्र डॉ. विवेक पाठक ने बताया कि माता महाकाली एवं खाटू श्याम बाबा के आशीर्वाद से उन्होंने यह रथ निकालने का निर्णय लिया है। इस पुण्य कार्य का अगुवा बनना अत्यंत हर्ष, गौरव की बात है।

रुद्र-काली एवं खाटू श्याम रथ निकालने के उद्देश्य के बारे में उन्होंने बताया कि माता महाकाली और खाटू श्याम बाबा अपने अधिक से अधिक भक्तों को दर्शन देना चाहते हैं। इस रथयात्रा के माध्यम से कई भक्तों को माता महाकाली और खाटू श्याम बाबा के दर्शनों का लाभ मिल सकेगा।

रुद्र-काली पुत्र डॉ. विवेक पाठक ने बताया कि कई भक्त और श्रद्धालु माता एवं श्याम बाबा का दर्शन करना चाहते हैं, परंतु समय की कमी के कारण मंदिरों तक नहीं जा पाते। रुद्र-काली एवं खाटू श्याम रथ निकालने से ऐसे कई भक्तों को आसानी से माता और श्याम बाबा के दर्शनों का लाभ मिल सकेगा।

उन्होंने बताया कि समय के साथ-साथ इस रथ के परिचालन का दायरा बढ़ाने की योजना भी है। जो भी भक्त और श्रद्धालु अपने क्षेत्र में इस रथ को आमंत्रित करना चाहेंगे, उनके लिए भी विशेष व्यवस्था करने की तैयारी है।

फुटपात पर सो रहे लोगों को रैन बसेरों में भेजा

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप शीत लहरी एवं ठंड को दृष्टिगत रखते हुए जनपद में गरीब एवं असहाय लोगों को ठंड से सुरक्षित रखने हेतु डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा जनपद में विभिन्न स्थानों पर रैन बसेरों का संचालन, अलाव तथा अन्य राहत कार्य कराये जा रहे हैं।

इसी कड़ी में डीएम मनीष कुमार वर्मा के निदेशकों क्रम में नगर मजिस्ट्रेट नोएडा विवेकानंद मिश्रा ने नोएडा में रात्रि कालीन भ्रमण करते हुए सड़क किनारे फुटपाथ पर सो रहे लोगों को रैन बसेरों में शिफ्ट कराया और उनको बताया कि जिला प्रशासन की ओर से जनपद में रैन बसेरे बनाए गए हैं, आप खुले आसमान या सड़क किनारे फुटपाथ पर न सोए। उन्होंने आम जनमानस से भी अपील करते हुए कहा कि यदि उनको भी कोई व्यक्ति खुले आसमान में सड़क किनारे फुटपाथ पर सोता हुआ मिले तो, उसको रैन बसेरे के संबंध में बताएं कि वह ऐसे खुले में ना सोकर जिला प्रशासन द्वारा संचालित किये जा रहे रैन बसेरों में प्रवास कर सकते हैं। साथ ही इस दौरान उन्होंने जरूरतमंद लोगों को कंबल भी वितरित किए।

नगर मजिस्ट्रेट नोएडा ने कहा कि आगे भी जिलाधिकारी के नेतृत्व में इसी प्रकार से रात्रि कालीन भ्रमण करते हुए सड़क किनारे या खुले आसमान में सो रहे लोगों को रैन बसेरों में शिफ्ट कराया जाएगा एवं जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए जाएंगे।

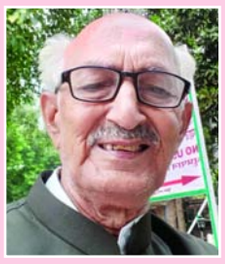

आज से गेहूं, चावल का वितरण शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में जिला पूर्ति अधिकारी गौतम बुद्ध नगर हरिओम उपाध्याय ने जनपद के समस्त अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को बताया कि माह जनवरी, 2025 हेतु राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत आवंटित आवश्यक वस्तुओं यथा गेहूं, चावल आदि का वितरण 06 जनवरी से 25 जनवरी 2025 के मध्य संपन्न कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि उक्त अवधि में आवश्यक वस्तुओं का वितरण प्रात: 06.00 बजे से रात्रि 09.00 बजे तक ई-पॉस मशीन के माध्यम से आधार प्रमाणीकरण के उपरांत किया जाएगा।

उक्त अवधि में बाजरा क्रय करने वाले 28 जनपदों में से 16 जनपदों (बदायूं, उन्नाव, आगरा, मथुरा, मैनपुरी, फिरोजबाद, अलीगढ़, एटा, कासगंज, हाथरस, कानपुर नगर, कानपुर देहात, इटावा, फर्रुखाबाद, कन्नौज एवं औरैया) को छोड़कर अंत्योदय कार्डधारकों को 17 किग्रा0 गेहूँ तथा 18 किग्रा0 चावल (35 किग्रा0 खाद्यान्न) का नि:शुल्क वितरण लाभार्थियों में सुनिश्चित कराया जायेगा।

इसी प्रकार जनपद आगरा मथुरा, मैनपुरी, फिरोजबाद, अलीगढ़, एटा, कासगंज, हाथरस, इटावा, फर्रुखाबाद, कन्नौज, बदायूं, बरेली, उन्नाव, हमीरपुर, कानपुर देहात, औरैया, जालौन एवं कानपुर नगर को छोड़कर पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को 2.300 किग्रा0 गेहूँ एवं 2.700 किग्रा0 चावल (कुल 05 किग्रा0 खाद्यान्न) का वितरण लाभार्थियों में सुनिश्चित कराया जायेगा।

उन्होंने बताया कि समस्त अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को खाद्यान्न गेहूं, चावल का वितरण नि:शुल्क किया जाएगा, जिसमें अंत्योदय कार्डधारकों को 17 किग्रा0 गेहूँ एवं 18 किग्रा0 चावल एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को कार्ड में सम्मिलित प्रति यूनिट 02.300 किग्रा0 गेहूं व 02.700 किग्रा0 चावल विक्रेता द्वारा नि:शुल्क वितरण किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि जनपद गौतम बुद्ध नगर के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश के अन्य जनपदों/राज्यों के निवासी अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्ड धारक, जिनके द्वारा गौतम बुद्ध नगर के उचित दर विक्रेताओं के यहां से वन नेशन वन राशन कार्ड योजना के तहत पोर्टेबिलिटी के आधार पर खाद्यान्न अपनी सुविधा एवं सुगमता अनुसार किसी भी उचित दर दुकान से प्राप्त किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि संबंधित नोडल अधिकारी द्वारा उचित दर दुकान पर उपलब्ध खाद्यान्न आदि का भौतिक सत्यापन करने के उपरांत अपनी उपस्थिति में दुकान पर खाद्यान्न आदि का वितरण सुनिश्चित कराया जाएगा। अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को गेहूं, चावल वितरण की अंतिम तिथि 25.01.2025 होगी, जिस दिन आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं को प्राप्त न कर सकने वाले उपभोक्ताओं हेतु मोबाइल ओ.टी.पी. वेरीफिकेशन के माध्यम से नि:शुल्क वितरण संपन्न किया जा सकेगा एवं विक्रेता द्वारा ई-पॉस मशीन से निकलने वाली वितरण पर्चियों पर गेहूँ, चावल तथा चयनित जनपदों में बाजरा का मूल्य शून्य होना स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाएगा तथा संबंधित उचित दर विक्रेता द्वारा कार्डधारक को उक्त पर्ची उपलब्ध करायी जायेगी। प्रत्येक दशा में यह सुनिश्चित किया जाए की कोई भी पात्र लाभार्थी खाद्यान्न प्राप्ति से वंचित न रहे।

उन्होंने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 की सूची में सम्मिलित समस्त उपभोक्ताओं को बताया कि वह सम्बन्धित उचित दर विक्रेताओं से अपनी-अपनी आवश्यक वस्तुएं प्राप्त करें। यदि उन्हें आवश्यक वस्तुए प्राप्त करने में कोई समस्या उत्पन्न हो तो, उसके निराकरण हेतु अपनी तहसील में सम्बन्धित उपजिलाधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी एवं क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी / पूर्ति निरीक्षक से अथवा क्रियाशील कॉल सेंटर एवं टोल फ्री नम्बर-1967 एवं 1800-1800-150 पर समस्या दर्ज करा सकते है।

गलत बात

अक्सर सुना जाता है कि- फलां आदमी बिल्कुल सफेद झूठ बोलता है। मैं इस बात को नहीं मानता। झूठ का कोई रंग नहीं होता, वह रंगहीन होता है। जैसे पानी रंगहीन होता है। उसे जिस रूप में प्रस्तुत किया जाता है, वह उसी रूप का साबित हो जाता है। झूठ सर्वव्यापक है। इस देश में ऐसे-ऐसे झूठ बड़ी शान से बोले जाते हैं कि जब आपको पता चले कि यह झूठ है, तो आप बेहोश होकर गिर पड़ेंगे। जैसे हमारे मोदी जी प्राय: सच बोलते हैं, पर लोग उसे झूठ ही मानकर चलते हैं। क्योंकि मोदी जी उसे झूठ मानकर नहीं बोलते।

डॉ. कृष्णावतार त्रिपाठी (राही)
ज्ञानपुर (भदोही)

जब झूठ को झूठ मानकर बोला जाता है, तभी वह पाप कहा जा सकता है। यदि आप अपनी बात को 100 प्रतिशत सच मानकर बोल रहे हैं, तो वह न तो कोई पाप है और न आपको अपने मन में कोई अपराध भाव रखना चाहिए। झूठ बोलते समय आप यह मत सोचिए कि आप क्या बोल रहे हैं, किससे बोल रहे हैं, और इसका परिणाम क्या होगा? झूठ बोलने की आदत एक कला है। जो झूठ बोलते हैं, मैं उनको एक सिद्धहस्त कलाकार मानता हूं। क्योंकि वे कई बार मुझे भी चकमे में डाल देते हैं। जबकि मैं भलीभांति जानता हूं कि यह व्यक्ति शत-प्रतिशत झूठ बोल रहा है। जो सत्य के पुजारी हैं, मुझे उनका जीवन नीरस लगता है।

कई बार मैंने झूठों का इंटरव्यू लिया है। एक बार एक झूठे ने मुंबई में मुझे बताया कि उसे झूठ बोलने में एक अद्भुत मानसिक शांति और सुख मिलता है। झूठ बोलने का आनंद ही कुछ और है। झूठ बोलने में कल्पनाशीलता का गुण होना चाहिए। झूठ बोलने वालों की आदत पड़ जाती है। वे अभ्यस्त तो हो जाते हैं और बड़ी विचित्र बात यह है कि इन सफेद झूठ बोलने वालों का समाज में बड़ा सम्मान होता है।

एक बार एक वकील साहब ने अपने बेटे से कहा कि यदि वह बिना 1 मिनट सोचे कोई झूठ बोल देगा तो वह उसे 50 रुपये देंगे। सुपुत्र भी कम नहीं थे, तपाक से जवाब दिया कि - पिताजी, अभी-अभी तो आपने एक झूठ पर 100 रुपये देने का वादा किया था।

अदालतों में गवाही की शुरुआत सच बोलने की शपथ के साथ सरासर झूठ बोलने से होती है। पूरी गवाही झूठ पर आधारित होती है, जो सजा से छूटने या सजा मिलने के लिए पर्याप्त होती है। झूठ बोलकर आदमी अनेक परेशानियों से भी बच निकलता है। उल्टा दूसरों के लिए कई परेशानियां खड़ी कर सकता है। झूठ बोलकर देखिए, जब आपका झूठ चल निकलेगा तब आपको असीम आनंद की अनुभूति होगी।

आज के युग में सच को सच साबित करना मुश्किल है। ऐसे में किसी भी तरह के झूठ को सच के रूप में चला देना बिरले लोगों का ही काम है। मैं इस कहावत को गलत मानता हूं कि एक झूठ को छुपाने के लिए 100 झूठ बोलने पड़ते हैं। आप इस बात पर भरोसा रखिए कि अगर आप एक झूठ को सौ बार बोल देंगे तो वह सच हो जाएगा। झूठ जब पकड़ा जाता है, तब झूठ होता है।

आज किसी को कहां फुर्सत है कि वह किसी की झूठ को पकड़ कर उसे साबित करने में अपना कीमती समय बर्बाद करे। झूठ के रास्ते पर जो चलता है उसे किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती। उसका हर कदम उसे सफलता की ओर ले जाएगा। आप अपने आसपास नजर फेर कर देख लें कहां झूठ नहीं है। घर, बाहर, बाजार, संसद, मंच हर जगह झूठ का बोलबाला है। कदम-कदम पर आपको झूठ का मुकाबला करना पड़ता है।

मेरी मानिए, लोहे को लोहे से काटिए। झूठ का झूठ से प्रतिकार करें। पूरे मनोयोग से झूठ बोलें। झूठ को इतनी सच्चाई से बोलें कि सामने वाला उसका कहीं से भी प्रतिकार न कर सके। आज सर्वत्र झूठ का बोलबाला है। सच का मुखौटा उतार फेंकिए। झूठ आपके स्वागत में हर जगह हर समय तैयार है।

पृष्ठ एक के शेष....

मोबाइल टॉवरों से...

उर्फ ज़हिर निवासी शास्त्री पार्क, दिल्ली बताया। दोनों ने स्वीकार किया कि उनसे बरामद सामान उन्होंने मोबाइल टावर से चोरी किया था।

थाना प्रभारी के मुताबिक दोनों आरोपी शातिर किस्म के चोर हैं। यह रैकी करने के बाद मोबाइल फोन टावरों से आरआरयू उपकरण, बैटरियां और अन्य कीमती सामान चोरी करने की घटना को अंजाम देते हैं। पकड़े गए दोनों आरोपियों ने मोबाइल टावरों से उपकरण चोरी करने की कई घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है।

दो बाइक...

वह अपनी बाइक को सड़क किनारे खड़ा कर मैकेनिक को लेने चला गया। कुछ देर बाद जब वह वापस लौटा तो उसकी बाइक गायब थी। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

मंगलुरु में डॉप्लर मौसम रडार का उद्घाटन जनवरी अंत तक होने की संभावना: आईएमडी

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के बेंगलुरु केंद्र के प्रमुख एन पुवियारासन ने कहा कि मंगलुरु में कर्नाटक के पहले सी बैंड डॉप्लर मौसम रडार (डीडब्ल्यूआर) का काम 15 जनवरी तक पूरा होना था लेकिन कुछ तकनीकी समस्याओं के कारण इसमें देरी होगी. आईएमडी के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में चार जनवरी को आईएमडी बेंगलुरु द्वारा आयोजित कार्यशाला से इतर पुवियारासन ने पीटीआई-भाषा से कहा कि हमें उम्मीद है कि इस माह के अंत तक यह काम करना प्रारंभ कर देगा. कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र (केएसएनडीएमसी) के परिसर में हुई इस कार्यशाला में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, बेंगलुरु और कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के तकनीकी सत्र सहित दिन भर कई सत्र आयोजित किए गए. पुवियारासन ने यह भी कहा कि जरूरत अनुसार भूमि नहीं मिलने के कारण आईएमडी को यहां एस-बैंड डीडब्ल्यूआर स्थापित करने में मुश्किलें आईं. एस-बैंड रडार 400 किलोमीटर के दायरे की कवरेज प्रदान करता है, जबकि सी-बैंड और एक्स-बैंड की क्षमता क्रमशः 250 किलोमीटर और 100 किलोमीटर है. पुवियारासन ने कहा कि हमें एक टावर और उसके साजो सामान के लिए कक्ष तैयार करने के लिए उचित स्थान की आवश्यकता है. उनके अनुसार शुरुआत में आईएमडी ने नंदी हिल्स में रडार लगाने की योजना बनाई थी, लेकिन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे के अनुरोध पर बेंगलुरु में उपयुक्त स्थान की तलाश शुरू कर दी गई है।

समाज के पुनर्निर्माण में कल्याण सिंह का अविस्मरणीय योगदान : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए रविवार को कहा कि उनका समाज के पुनर्निर्माण में अविस्मरणीय योगदान है। योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' परपोस्ट कर कहा, ''उत्तर प्रदेश में सुशासन के संस्थापक, श्री राम मंदिर आंदोलन के अग्रदूत, राजस्थान के पूर्व राज्यपाल एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्रद्धेय कल्याण सिंह 'बाबूजी' का समाज के पुनर्निर्माण में अविस्मरणीय योगदान है।'' उन्होंने कहा, ''उन्होंने (कल्याण सिंह) अपने जीवन का एक-एक क्षण समाज व राष्ट्र की सेवा में समर्पित किया था। सेवा, सुशासन और सामाजिक न्याय हेतु सदैव समर्पित रहे पद्म विभूषण श्रद्धेय 'बाबूजी' की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा ''उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पद्म विभूषण से सम्मानित आदरणीय कल्याण सिंह जी को जयंती पर श्रद्धापूर्ण नमन !'' मौर्य ने कहा, ''बाबूजी का जीवन उनके सिद्धांतों, निडरता एवं लोक सेवा के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक रहा। उनका न कोई पछतावा, न कोई पश्चाताप, न कोई दुःख, न ही कोई शोक का मूलमंत्र उनकी गंभीरता तथा आत्मिक सत्यता का प्रतीक रहने के साथ-साथ हम सभी का राष्ट्रोत्थान व सांस्कृतिक पुनः जागरण के प्रति मार्गदर्शन करता रहेगा।'' उत्तर प्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री और राजस्थान के राज्यपाल रहे कल्याण सिंह का जन्म पांच जनवरी 1932 को अलीगढ़ जिले में हुआ था और 21 अगस्त 2021 को उन्होंने अंतिम सांस ली।

प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा के पूर्व अध्यक्ष मुरली मनोहर जोशी को जन्मदिन की बधाई दी

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी को उनके 90वें जन्मदिन पर रविवार को बधाई दी और उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भाजपा के यशस्वी नेता आदरणीय डॉ. मुरली मनोहर जोशी जी को उनके जन्मदिन पर बहुत-बहुत बधाई। वे पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, उनकी विद्वता, दीर्घकालिक अनुभव एवं राष्ट्रवादी विचार देश के लिए बेहद मूल्यवान हैं। मैं उनके स्वस्थ और सुदीर्घ जीवन की कामना करता हूं। जोशी भाजपा के पूर्व अध्यक्ष हैं और अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में मंत्री भी रहे चुके हैं। वर्तमान में वह भाजपा के मार्गदर्शक मंडल के सदस्य हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनके जन्मदिन पर रविवार को बधाई दी और उनके लंबे व स्वस्थ जीवन की कामना की। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी को जन्मदिन की बधाई। उनके लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं।'' बनर्जी साल 2011 से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री हैं, उनकी गिनती देश में विपक्ष के प्रमुख नेताओं में होती है।

नई दिल्ली सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला, पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को घेरेंगे दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटे

नई दिल्ली, एजेंसी। आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी द्वारा पहली सूची जारी करने के बाद नई दिल्ली विधानसभा सीट पर चुनावी जंग रोचक हो गई है. एक ओर जहां नई दिल्ली सीट से आम आदमी पार्टी प्रत्याशी के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल चौथी बार चुनाव मैदान में है तो वहीं कांग्रेस ने भी पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के पुत्र संदीप दीक्षित को प्रत्याशी घोषित कर रखा है.

अब आज भाजपा द्वारा जारी सूची में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री रहे साहिब सिंह वर्मा के पुत्र व पूर्व भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा को नई दिल्ली सीट से केजरीवाल के खिलाफ मैदान में उतारा गया है. इसके बाद से नई दिल्ली सीट पर त्रिकोणीय मुकाबले की चर्चाएं तेज हो गई हैं. अब इस सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटे चुनावी समर में घेरेंगे. इस बार के विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल को कड़ी चुनौती मिलती दिख रही है. संदीप दीक्षित के पास नई दिल्ली सीट से 15 साल तक विधायक रही, उनकी मां शीला दीक्षित की विरासत और उनके कराए गए कामों को लेकर जनता के बीच जाने का मौका है तो वही प्रवेश वर्मा के पास दो बार सांसद और एक बार विधायक रहने के अनुभव के साथ ही अपने पिता पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के द्वारा दिल्ली में कराए गए कामों को

जनता के बीच लेकर जाने का मौका है.

क्षेत्र में शुरू हुई सरगर्मियां: बतादें कि प्रवेश वर्मा ने प्रत्याशी घोषित होने से एक महीने पहले ही नई दिल्ली विधानसभा सीट पर चुनाव की तैयारी शुरू कर दी थी. साथ ही लोगों के बीच में अपनी सक्रियता बढ़ा दी थी. वहीं, करीब 15 दिन पहले कांग्रेस की दूसरी सूची में टिकट मिलने के बाद कांग्रेस प्रत्याशी संदीप दीक्षित ने भी नई दिल्ली इलाके में जनसंपर्क शुरू कर दिया है. उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली विधानसभा सीट पर अब तक हुए 7 चुनाव में सिर्फ पहले चुनाव में ही भाजपा को जीत मिली थी. उसके बाद से तीन बार से कांग्रेस और तीन बार से आम आदमी पार्टी का कब्जा रहा है।

2013 में शीला दीक्षित को मिली थी करारी शिकस्त: 2013 के विधानसभा चुनाव में जब पहली बार केजरीवाल की आम आदमी पार्टी चुनावी मैदान में उतरी और खुद अरविंद केजरीवाल ने शीला दीक्षित के खिलाफ यहां से ताल ठोक दी थी. जब चुनाव परिणाम आया तो हर कोई हैरान था, क्योंकि केजरीवाल ने नई दिल्ली सीट से शीला दीक्षित को 25,864 वोटों के बड़े अंतर से शिकस्त दी थी. अरविंद केजरीवाल को जहां 44269 वोट मिले तो शीला दीक्षित को महज 18405 वोटों से संतोष करना पड़ा और तीसरे नंबर रहे बीजेपी उम्मीदवार विजेंद्र गुप्ता को तब 17952 वोट मिले थे. 2015 के चुनाव में केजरीवाल ने भाजपा प्रत्याशी नूपुर शर्मा को 31583 वोटों के बड़े अंतर से हराया जबकि कांग्रेस प्रत्याशी किरण वालिया की मात्र 4781 वोट पाकर जमानत जब्त हो गई थी।

1993 में दिल्ली में पहला विधानसभा चुनाव: सन 1993 में दिल्ली में पहला विधानसभा चुनाव हुआ था तब इस सीट को गोल मार्केट के नाम से जाना जाता था. भाजपा ने उस समय पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद को गोल मार्केट सीट से टिकट दिया था. कीर्ति आजाद चुनाव जीतकर विधायक बन गए थे. उसके बाद दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी थी. फिर वर्ष 1998 में कांग्रेस नेता शीला दीक्षित ने लगातार तीन बार 1998, 2003 और 2008 में इस सीट पर जीत दर्ज की. 2008 में हुए परिसीमन में गोल मार्केट सीट का नाम बदलकर नई दिल्ली सीट कर दिया गया. बता दें कि 1956 से 1993 तक दिल्ली में न मुख्यमंत्री था और न विधानसभा. इस बीच 61 सदस्यीय मेट्रोपॉलिटन काउंसिल ने दिल्ली का प्रशासन संभाला था. 1993 में फिर से चुनाव हुए और दिल्ली को विधानसभा मिली.

केजरीवाल की जीत का आगाज: वर्ष 2013 में हुए विधानसभा चुनाव में पहली बार आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को हराकर जीत दर्ज की थी. 1998 के चुनाव के बाद से इस सीट के साथ यह तथ्य जुड़ गया कि जिस प्रत्याशी ने भी इस सीट से जीत दर्ज की, वह लगातार तीन बार मुख्यमंत्री बना. पहले शीला दीक्षित और उनके बाद केजरीवाल भी लगातार तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

दिल्ली में खराब वायु गुणवत्ता से लोग परेशान, कुछ इलाकों में एक्यूआई पहुंचा 400 पार

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जहां एक तरफ हाड़ कंपा देने वाली सर्दी ने लोगों का जीना बेहाल कर दिया है तो दूसरी तरफ वायु प्रदूषण से भी लोग परेशान हैं। इसने लोगों के बीच स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर दीं हैं। इससे लोगों में आंखों के जलन की समस्या और सांस संबंधी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, रविवार सुबह 8: 30 बजे तक दिल्ली में औसतन वायु गुणवत्ता सूचकांक 374 था। वहीं, दिल्ली एनसीआर के अन्य शहरों में फरीदाबाद का एक्यूआई 188, गुरुग्राम का 278, गाजियाबाद का 260, ग्रेटर नोएडा का 184 और नोएडा का 242 था। दिल्ली के 9 इलाकों में एक्यूआई 400 से ज्यादा और 500 के आसपास था। इनमें बवाना, द्वारका सेक्टर 8, जहांगीरपुरी, मुंडका, फताफतगंज, रोहिणी, सिविल लाइन्स, विवेक विहार और वजीरपुर शामिल हैं। इन इलाकों में एक्यूआई 400 से 426 के बीच था। दिल्ली के बाकी इलाकों में एक्यूआई 300 से 400 के बीच था, जो वायु गुणवत्ता के खराब स्तर को दर्शाता है। वहीं, दिल्ली के कई इलाके में एक्यूआई गंभीर बनी हुई है। इन इलाकों का एक्यूआई 400 से ज्यादा दर्ज किया गया है, जिसमें अशोक विहार 407, द्वारका सेक्टर-8 410, जहांगीरपुरी- 407, मुंडका 424, पटपड़गंज 415, आरके पुरम 403, रोहिणी 411, सिरीफोर्ट 428, विवेक विहार 436, वजीरपुर 425 और बवाना का एक्यूआई 401 दर्ज किया गया हैं। इन इलाकों के अलावा भी दिल्ली के 22 इलाकों का एक्यूआई भी खतरनाक स्थिति में बना हुआ है।

उत्तराखंड में निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भाजपा में शामिल

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में शहरी स्थानीय निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस की प्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष मथुरा दत्त जोशी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। बताया जा रहा है कि जोशी पार्टी हाईकमान द्वारा पिथौरागढ़ में महापौर सीट के लिए उनकी पत्नी को टिकट नहीं दिए जाने के बाद से नाखुश थे। भाजपा में शामिल होने वाले अन्य नेताओं में कांग्रेस की प्रदेश इकाई के पूर्व उपाध्यक्ष बिट्टू कर्नाटक और दो बार जिला पंचायत अध्यक्ष रहे जगत सिंह खाती शामिल हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने शनिवार को यहां पार्टी के प्रदेश कार्यालय में नेताओं का सत्तारूढ़ दल में स्वागत किया। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए नेताओं को मेहनती और योग्य व्यक्ति करार देते हुए धामी ने भरोसा जताया कि भाजपा को निकाय चुनाव में उनके अनुभव का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस में योग्य और अच्छे लोगों की कोई कद्र नहीं है। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए नेताओं ने कहा कि कांग्रेस समर्पित कार्यकर्ताओं को उचित सम्मान नहीं दे रही है।

दुनिया की रहस्यमयी बर्ड का उत्तराखंड से है गहरा नाता, संग्रहालय में सुरक्षित 150 साल से नमूने

देहरादून , एजेंसी। पूरी दुनिया के लिए रहस्य बनी हिमालयन क्रेल भले ही 150 साल से किसी को नजर ना आई हो, लेकिन आज भी हर कोई इसके धरती पर होने की उम्मीद लगाए हुए है. बड़ी बात ये है कि दुनिया के लिए पहेली बनी ये बर्ड उत्तराखंड से ताल्लुक रखती है और आखिरी बार इसे यहीं देखा गया था. राष्ट्रीय पक्षी दिवस पर आज बात पक्षियों की एक ऐसी खास प्रजाति की जो दुनिया के लिए एक मिस्ट्री है और जिससे जुड़े सवालों को तमाम सर्वे और प्रयासों के बाद भी नहीं तलाशा जा सका है.

पक्षियों की 12प्रतिशत प्रजातियां खतरे में: दुनिया भर में पक्षियों की हजारों प्रजातियां हैं. इनमें कई पक्षी आमतौर पर दुनिया के किसी भी हिस्से में सामान्य रूप से बहुतायत संख्या में मिल जाते हैं, तो कुछ ऐसे भी हैं जिन्हें खतरे में माना गया है. इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर के अनुसार दुनिया में पक्षियों की कुल प्रजातियों में से 12प्रतिशत प्रजातियां रेड लिस्ट यानी खतरे में हैं. हालांकि ऐसी बर्ड्स के संरक्षण को लेकर कंजर्वेशन प्लान पर काम हो रहा है. लेकिन एक पक्षी ऐसा भी है जिसका अस्तित्व रहस्यमयी बना हुआ है.

हिमालयन क्रेल की मिस्ट्री: हिमालयन क्रेल दुनिया के लिए एक मिस्ट्री है. इस पक्षी को 1876 में आखिरी बार देखा गया था. बड़ी बात यह है कि हिमालयन क्रेल पूरी दुनिया में केवल उत्तराखंड में ही देखी गई है. उत्तराखंड के मसूरी और

नैनीताल में इसे करीब 150 साल पहले देखा गया था. इसके बावजूद इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर ने इसे विलुप्त नहीं माना और हिमालयन क्रेल को गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजाति के पक्षी की सूची में रखा गया. जाहिर है कि दुनिया को इसके धरती पर अब भी मौजूद होने की उम्मीद है और इसी उम्मीद के साथ तमाम पक्षी प्रेमी इसकी तलाश में भी है.

उत्तराखंड में बसता है परिंदों का अद्भुत संसार : दुनिया भर में पक्षियों की करीब 11000 प्रजातियां मौजूद हैं. इनमें से भारत में करीब 1360 प्रजातियां रिकॉर्ड की गई हैं, जबकि उत्तराखंड में इनमें से 729 प्रजातियां चिन्हित की गई हैं. यानी देशभर में पाई जाने वाली कुल पक्षियों की प्रजातियों में से 50 प्रतिशत से ज्यादा उत्तराखंड में मौजूद हैं, जो कि प्रदेश में पक्षियों के लिए बेहतर माहौल को जाहिर करती है. इस लिहाज से देश में उत्तराखंड उन चुनिंदा राज्यों में शामिल है, जहां सैकड़ों पक्षियों की प्रजातियां दर्ज की गई हैं. हिमालयन क्रेल को लेकर अभी तक वैज्ञानिक रूप से जानकारियां अपूर्ण हैं. माना गया है कि ये पक्षी अभी विलुप्त नहीं हुआ है, बल्कि इसकी आबादी बेहद कम होने की संभावना व्यक्त की गई है और इसलिए इस रहस्यमयी पक्षी को गंभीर रूप से संकटग्रस्त का दर्जा दिया गया है. इस पक्षी को तलाशने के लिए कई बार सर्वे किए गए हैं और अध्ययन के जरिए भी इसका पता लगाने की कोशिश की गई है।

बिहार में दही-चूड़ा भोज की सियासत और खरमास के बाद नीतीश कुमार के तेवर पर सबकी नजरें

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार की राजनीति में सियासी पारा एक बार फिर चढ़ चुका है. चुनाव को देखते हुए और भाजपा और जेडीयू के रिश्ते में आ रहे कुछ फासले के बाद सबकी नजरें मकर संक्रांति यानी दही-चूड़ा के भोज पर होने वाली सियासत और खरमास खत्म होने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के तेवर के साथ महागठबंधन के ऑफर पर टिकी हैं. सूत्रों की मानें तो अभी भाजपा यह मानकर चल रही है कि इस बार पलटी मारने का जोखिम नीतीश नहीं ले पाएंगे और अगर लेते भी हैं तो इसका खामियाजा जेडीयू को भुगतना पड़ सकता है. भाजपा पर इसका नुकसान बहुत ज्यादा नहीं पड़ने की संभावना जताई जा रही है. भाजपा सूत्रों की मानें तो नीतीश कुमार चुनाव से पहले हमेशा से दबाव की राजनीति खेलते आए हैं और इस राजनीति के केंद्र में होता है उनकी पार्टी को उनके मन मुताबिक सीटें और उनके लिए मुख्यमंत्री बनाने का वादा. मगर पार्टी के विश्वस्त सूत्रों की मानें तो इस बार महाराष्ट्र का फॉर्मूला भाजपा बिहार में भी लागू कर सकती है, जिसमें ये साफ कह दिया गया था

कि गठबंधन में जिसकी जितनी सीटें उसको उतनी बड़ी जिम्मेदारी. हालांकि, अगर बिहार में दोबारा एनडीए की सरकार बनती भी है तो नीतीश सीएम से नीचे कोई पद शायद ही स्वीकार करें. इस बात से भी भाजपा पूरी तरह से वाकिफ है, मगर चुनाव से पहले अपने सारे पत्ते नहीं खोलना चाहती है. वहीं प्लान बी के मुताबिक यदि नीतीश पाला बदलते हैं तो भाजपा नीतीश के खिलाफ बहुत ज्यादा आक्रामक ना होकर खुद उनको एक्पोज होने देगी ताकि उनकी पलटू राम की इमेज पर जनता खुद निर्णय ले. राजनीतिक पंडितों की मानें तो फिलहाल ऐसी बातें सिर्फ इसलिए फैलाई गई हैं कि नीतीश कुमार मन मुताबिक गठबंधन में अपनी पार्टी के लिए सीट पा सकें. पिछली बार भी भाजपा ने कई ऐसी सीटें जेडीयू को दी थीं, जिन पर भाजपा के प्रमुख नेता चुनाव लड़ते आए थे और जेडीयू को उन सीटों पर हार का सामना करना पड़ा. दरअसल, लालू प्रसाद यादव के बयान जिसमें उन्होंने नीतीश के लिए दरवाजे खुला होने की बात कही और बिहार के नए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के शपथ समारोह के दौरान की तेजस्वी यादव और नीतीश कुमार की एक तस्वीर ने भी इन अटकलों को हवा दी कि क्या एक बार फिर नीतीश महागठबंधन से जुड़ सकते हैं।

दिल्ली की समस्याओं का समाधान स्थाई सरकार ही कर सकती है, अस्थाई मुख्यमंत्री नहीं : अलका लांबा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कालकाजी सीट का मुकाबला त्रिकोणीय है। एक ओर सत्ताधारी पार्टी आम आदमी पार्टी ने मुख्यमंत्री आतिशी को यहां से प्रत्याशी बनाया है। भाजपा ने पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी को मैदान में उतारा है। कांग्रेस पार्टी ने अलका लांबा को इस विधानसभा क्षेत्र से अपना प्रत्याशी बनाया है। इन तीनो हाई प्रोफाइल नेताओं की वजह से कालकाजी में मुकाबला पेचीदा हो गया है। कांग्रेस प्रत्याशी अलका लांबा ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए चुनाव में अपना पलड़ा भारी बताया। साथ ही उन्होंने आप प्रत्याशी आतिशी को अस्थाई मुख्यमंत्री बताते हुए भाजपा प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि मेरा 30 साल का संघर्ष, मेरी ईमानदारी और काम, दिल्ली में जन्मी और पली-बढ़ी एक राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में जनता के लिए किया गया कार्य लोगों के दिलों में जगह बनाएगा। अब मेरा लक्ष्य कालकाजी की जनता का विश्वास जीतना है, और उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान देना है। उन्होंने कहा, जो समस्याएं हैं, उनका हल अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी होना चाहिए। दिल्ली में प्रदूषण, यमुना का दूषित पानी, बढ़ते अपराध, महंगाई और बेरोजगारी जैसी समस्याएं हैं, जिनका समाधान केवल एक स्थायी

सरकार ही कर सकती है। कोई अस्थाई मुख्यमंत्री इसका समाधान नहीं कर सकता। मुख्यमंत्री की ओर से जो भी दावा किया जाता है, वह कालकाजी और बाकी विधानसभा क्षेत्रों के लिए असंगत है। एक आदर्श विधानसभा का मॉडल कालकाजी को बनना चाहिए था, लेकिन यहां की स्थिति बद से बदतर हो चुकी है। सड़कें खुदी पड़ी हैं, पार्किंग की समस्या, जाम की समस्या और गंदगी की स्थिति अब भी जस की तस है। इसका दोष भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनों पर है। दोनों ने सत्ता संभालने के बाद कालकाजी की जनता के साथ धोखा किया और उन्हें निराश किया।

कालकाजी सीट पर रमेश बिधूड़ी की एंट्री से मुख्यमंत्री आतिशी को मिल सकती है कड़ी चुनौती, अलका लांबा भी देंगी टक्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की पहली सूची जारी होने के बाद कालकाजी सीट पर भी तीनों प्रमुख पार्टियों आप, बीजेपी और कांग्रेस के प्रत्याशियों की तस्वीर साफ हो गई है. आम आदमी पार्टी ने कालकाजी सीट पर मुख्यमंत्री आतिशी को टिकट दिया है, तो वहीं कांग्रेस ने महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं चांदनी चौक की पूर्व विधायक अलका लांबा को प्रत्याशी बनाया है. वहीं, अब शनिवार को भाजपा द्वारा कालकाजी सीट से दक्षिणी दिल्ली के सांसद रहे रमेश बिधूड़ी को मैदान में उतारा गया है. अब तीनों ही पार्टियों द्वारा मजबूत प्रत्याशी देने से ऐसा माना जा रहा है कि इस सीट पर सीएम आतिशी को कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ेगा।

कालकाजी सीट बनी हाई प्रोफाइल सीट : विधायक बनने के करीब 3 वर्ष बाद आतिशी को मनीष सिसोदिया के जेल जाने के बाद दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में 10 से ज्यादा विभाग का मंत्री बनने का मौका मिला. वहीं, अरविंद केजरीवाल के जेल जाने और जेल से बाहर आने के बाद मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला. आतिशी के मुख्यमंत्री होने के चलते कालकाजी सीट हाई प्रोफाइल सीट हो गई है. इसी के चलते कांग्रेस ने चांदनी चौक सीट से विधायक रहीं अलका लांबा को कालकाजी से प्रत्याशी बनाया है. वहीं,

भाजपा ने भी तुगलकाबाद सीट से तीन बार विधायक रहे और दो बार दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट से सांसद रहे रमेश विधूड़ी को आतिशी के सामने मैदान में उतारा है. कालकाजी दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट का हिस्सा है. इस वजह से सांसद के रूप में रमेश बिधूड़ी का भी क्षेत्र रहा है. इसलिए भाजपा ने रमेश बिधूड़ी पर कालकाजी सीट पर दांव खेला है. जबकि कांग्रेस प्रत्याशी अलका लांबा कालकाजी के लिए बाहरी हैं. अलका लांबा को चुनाव लड़ाने में यहां के स्थानीय कांग्रेस नेताओं और पूर्व विधायक सुभाष चोपड़ा की भूमिका प्रमुख रहेगी.

जानिए कालकाजी सीट का इतिहास : बता दें कि कालकाजी सीट पर दो बार से आम आदमी पार्टी का कब्जा है. इससे पहले तीन बार कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा इस सीट से विधायक रहे हैं. वहीं, वर्ष 1993 के पहले चुनाव में एक बार भाजपा की पूर्णिमा सेठी को इस सीट से जीत मिली. जबकि वर्ष 2013 में शिरोमणि अकाली दल भाजपा गठबंधन प्रत्याशी के तौर पर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के मौजूदा अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका ने कालकाजी विधानसभा सीट से जीत दर्ज की थी. इसके बाद वर्ष 2015 के चुनाव में आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी अवतार सिंह ने इस सीट पर जीत दर्ज की. उसके बाद पिछले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने अवतार सिंह का टिकट काटकर आतिशी को प्रत्याशी बनाया. आतिशी ने 11000 से अधिक वोटो के अंदर से जीत दर्ज की.

रमेश बिधूड़ी को बीजेपी से टिकट मिलने पर बोलीं आतिशी : भाजपा द्वारा पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी को कालकाजी सीट से अपने खिलाफ टिकट देने पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि जब खुद भाजपा ने रमेश बिधूड़ी को सांसद का टिकट न देकर उनके कद को छोटा कर दिया था।

भारत की आस्ट्रेलिया में शर्मनाक हार

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी

डब्ल्यूटीसी के फाइनल से बाहर हुई टीम इंडिया

सिडनी। शीर्ष खिलाड़ियों की खराब फॉर्म से जूझ रही भारतीय टीम बार्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में रविवार को पांचवें और अंतिम टेस्ट में छह विकेट से हार के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल से बाहर हो गई, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने इस जीत के साथ 10 साल बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 3-1 से जीतकर डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाई। बदलाव के कठिन दौर से गुजर रही भारतीय टीम को अब काफी आत्ममंथन करना होगा। वहीं गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया अब 11 से 15 जून तक लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल

जूझते रहे विराट

यह श्रृंखला भारतीय क्रिकेट जगत के उन अधिकारियों को काफी सोचने को मजबूर करेगी जिन पर देश की टीम को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी है। भारत श्रृंखला छह पूर्ण पारियों में 200 रन के आंकड़े को भी नहीं छू पाया इसलिए यह बताने की जरूरत नहीं है कि दौरे में क्या गलत हुआ। नियमित कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली तकनीकी समस्याओं के कारण पूरे सत्र में एक अदद अच्छी पारी के लिए जूझते रहे। यशस्वी जायसवाल (391 रन) तीन बार शून्य पर आउट होने के बावजूद भारत की ओर से शीर्ष स्कोरर रहे। उनके बाद नवोदित नितीश कुमार रेड्डी (298 रन), लोकेश राहुल (276 रन) और ऋषभ पंत (255 रन) का नंबर आता है।

कोहली और रोहित पर फैसले का इंतजार

रोहित और कोहली की खराब फॉर्म को लेकर इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि दोनों दिग्गजों के लिए अपनी बल्लेबाजी में आई गिरावट को रोकना मुश्किल होता जा रहा है। टीम में कुछ अच्छे युवा खिलाड़ी हैं और नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में उन्हें समय के साथ विकसित होने का मौका दिया जाना चाहिए। कोहली और रोहित पर कड़े फैसले का इंतजार है जबकि बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों को इस बात पर भी गंभीरता से विचार करना चाहिए कि कोच गौतम गंभीर सभी प्रारूपों में जिम्मेदारी संभालने के लिए सही व्यक्ति हैं या नहीं। गंभीर के नेतृत्व में भारत ने इस सत्र में 10 में से छह टेस्ट गंवाए हैं। इसके अलावा टीम को श्रीलंका में एकदिवसीय श्रृंखला में हार का सामना करना पड़ा। अगर कोहली और रोहित को जिम्मेदार ठहराया जाता है तो गंभीर को सिर्फ इसलिए नहीं छोड़ा जा सकता क्योंकि टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है।

चैंपियंस ट्राफी के लिए भारतीय टीम का ऐलान

विक्रांत रविंद्र केनी को टीम की कमान

नई दिल्ली। विक्रांत रविंद्र केनी को 12 जनवरी से श्रीलंका में शुरू होने वाली दिव्यांग चैंपियंस ट्रॉफी के लिए रविवार को 17 सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया। दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए यह टूर्नामेंट 2019 के बाद पहली बार आयोजित किया जा रहा है और भारत अपने अभियान की शुरुआत पहले दिन पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगा। भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद (डीसीसीआई) के राष्ट्रीय चयन पैनल ने मुख्य कोच रोहित जलानी के नेतृत्व में जयपुर में ट्रेनिंग शिविर के बाद टीम का चयन किया। जलानी ने कहा, ''यह संतुलित टीम है जो किसी भी प्रतिद्वंद्वी से मुकाबला करने के लिए तैयार है।''

भारतीय टीम

विक्रांत रविंद्र केनी (कप्तान), रविंद्र गोपीनाथ सैंटे (उप-कप्तान), योगेंदर सिंह (विकेटकीपर), अखिल रेड्डी, राधिका प्रसाद, देपेंद्र सिंह (विकेटकीपर), आकाश अनिल पाटिल, सनी गोयत, पवन कुमार, जितेंद्र, नरेंद्र, राजेश, निखिल मन्हास, आमिर हसन, माजिद मागरे, कुणाल दत्तात्रेय फनासे और सुरेंद्र।

बाइडन से सम्मान लेने नहीं पहुंचे लियोनल मेसी

वॉशिंगटन। फुटबॉल के दिग्गज मेसी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा चुने गए 19 लोगों में से एक थे। उन्होंने कहा कि वह इस सम्मान के लिए आभारी हैं और गर्व महसूस कर रहे हैं। शनिवार को आयोजित सम्मान समारोह में हिलेरी क्लिंटन, बास्केटबॉल के दिग्गज मैजिक जॉनसन, फैशन डिजाइनर राल्फ लॉरेन आदि जैसी प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया, लेकिन मेसी की गैरमौजूदगी सुर्खियों में रही थी।अर्जेंटीना को साल 2022 में विश्व चैंपियन बनाने वाले मेसी समारोह का विशेष आकर्षण थे। उनकी अनुपस्थिति ने फैंस को नाराज कर दिया और इसे अपमानजनक बताया। उनकी पीआर टीम ने बाद में समझाया कि मेसी शेड्यूलिंग को लेकर संघर्ष कर रहे हैं और पूर्व प्रतिबद्धताओं ने उन्हें सम्मान समारोह में हिस्सा लेने से रोक दिया। वहीं, यूएस एक्सप्रेस के मुताबिक, दिसंबर में यह जानने के बाद कि उन्हें राष्ट्रपति जो बाइडन से प्रतिष्ठित सम्मान मिलेगा, मेसी ने व्हाइट हाउस को एक पत्र भेजकर आभार व्यक्त किया था। इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होने के बाद मेसी ने भविष्य में अमेरिकी राष्ट्रपति से मिलने की उम्मीद जताई। व्हाइट हाउस ने फीफा और मेसी के क्लब को दिसंबर के अंत में सूचित किया था कि उन्हें यह सम्मान दिया जाने वाला है। इसके बाद मेसी ने क्लब के माध्यम से व्हाइट हाउस को एक पत्र भेजा जिसमें कहा गया है कि वह बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं और यह सम्मान प्राप्त करना उनके लिए काफी मायने रखता है।

सहवाग के बेटे आर्यावीर की विस्फोटक पारी

नई दिल्ली। भारत के पूर्व धमाकेदार ओपनर वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यावीर सहवाग के दिल्ली अंडर-19 टीम के लिए मेघालय के खिलाफ कूच बिहार ट्रॉफी में 297 रन की विस्फोटक पारी खेलने के बाद सबका ध्यान अपनी खींचा था। अब सहवाग के छोटे बेटे वेदांत सहवाग भी सुर्खियों में हैं जिन्होंने विजय मर्चेंट ट्रॉफी के पांच मैचों में 24 विकेट लेकर अपनी शानदार ऑफ स्पिन का नमूना दिखाया है। सहवाग ने अपनी बेटे वेदांत का हौसला बढ़ाया है और सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए अपने बेटे की गेंदबाजी की तारीफ की।

बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया में अवॉर्ड जीतकर रचा इतिहास

नई दिल्ली। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जलवा देखने को मिला। उन्होंने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में कातिलाना गेंदबाजी करते हुए सर्वाधिक 32 विकेट चटकाए। वह एक बार्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन चुके हैं। बुमराह ने पूरी सीरीज में कंगारी खिलाड़ियों की नींद उड़ाकर रख दी। अगर वह सिडनी टेस्ट में दूसरे दिन चोटिल नहीं होते तो शायद पांचवें मैच का नतीजा कुछ और होता। बुमराह को रविवार को प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड से नवाजा गया। उन्होंने SENA में बड़ा इतिहास रचा है। SENA देशों में साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया हैं। बुमराह तीन अलग-अलग सेना देशों में टेस्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीतने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने साथ ही पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और पूर्व ऑलराउंडर इमरान खान के नायाब क्लब में एंट्री मारी है। बुमराह सेना देशों में संयुक्त रूप से सबसे अधिक प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार जीतने वाले एशियाई क्रिकेटर बन गए हैं। यह उनका SENA में तीसरा प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड था। इमरान, भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ और पाकिस्तान के पूर्व गेंदबाज वसीम अकरम ने भी इतने ही अवॉर्ड जीते। बता दें कि भारत को बार्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में 3-1 से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी में खेला गया पांचवां टेस्ट तीसरे दिन 6 विकेट से अपने नाम किया। रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में बुमराह ने सिडनी में टीम इंडिया की कमान संभाली। बुमराह ने पांचवें टेस्ट में हार के बाद कहा, "बहुत सारे अगर-मगर रहे लेकिन पूरी सीरीज में कड़ी टक्कर देखने को मिली।

विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25

मुंबई ने सौराष्ट्र को रौंदा

मुंबई। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम मुंबई ने सौराष्ट्र को 5 विकेट से हरा दिया है। मुंबई ने विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 के इस मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। उसके लिए आयुष म्हात्रे ने विस्फोटक शतक लगाया है। आयुष ने 148 रनों की पारी खेली। जय बिष्ट ने 45 रनों का योगदान दिया। जबकि सूर्यांश शेडगे ने 4 विकेट झटके। श्रेयस अय्यर की टीम ने 46 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया था। सौराष्ट्र ने पहले बैटिंग करते हुए 289 रन बनाए। इस दौरान ओपनर तरंग गोहेल ने 44 रनों की विस्फोटक पारी खेली। उन्होंने 21 गेंदों का सामना करते हुए 8 चौके और 1 छक्का लगाया। वहीं विश्वराज सिंह जडेजा ने 92 रन बनाए। उन्होंने 8 चौके और 3 छक्के लगाए। चिराग जानी ने 83 रनों का योगदान दिया। चिराग की इस पारी में 8 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। इस दौरान मुंबई के लिए बॉलिंग करते हुए सूर्यांश ने 4 विकेट लिए। सिद्धेश लाड को 3 विकेट मिले। सौराष्ट्र के दिए लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई ने 46 ओवरों में 5 विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। उसके लिए आयुष ने विस्फोटक प्रदर्शन किया। उन्होंने 93 गेंदों का सामना करते हुए 148 रन बनाए। आयुष के 13 चौके, 9 छक्के और जय बिष्ट के 45 रनों की बदौलत टीम ने जीत हासिल की। कप्तान श्रेयस ने नाबाद 13 रन बनाए। उन्होंने 1 चौका लगाया. अथर्व ने 16 रन बनाए. मुंबई की विजय हजारे ट्रॉफी के इस सीजन में यह लगातार तीसरी जीत है। उसने कुल 7 मैच खेले हैं और 5 में जीत दर्ज की है।

सातवें आसमान पर कमिंस की खुशी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की टीम के कप्तान पैट कमिंस बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीतने के बाद काफी खुश नजर आए। वह जानते हैं कि इस ट्रॉफी के जीतने के मायने क्या हैं, क्योंकि खुद पैट कमिंस बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाए थे। ऑस्ट्रेलिया की मौजूदा टीम में ज्यादातर ऐसे खिलाड़ी थे, जिन्होंने इस सीरीज को कभी नहीं जीता। अब ये सपना साकार हो गया है। 10 साल के बाद ऑस्ट्रेलिया ने वापस से इस ट्रॉफी पर कब्जा किया है। लगातार चार बार भारत इस ट्रॉफी को जीतने में कामयाब रहा था। पैट कमिंस ने सिडनी टेस्ट जीतने के बाद पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन सेरमनी में कहा, बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीतना अवास्तविक है। हममें से बहुत से खिलाड़ियों के पास यह ट्रॉफी नहीं थी। सभी मोर्चों पर खरे उतरे। बस अपनी योजनाओं के साथ स्पष्ट रहे। हमने सक्रिय रहने की कोशिश की, आखिरकार यह हमारे लिए काम किया। बेहद गर्व है। हम पर्थ में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए। हमें एक-दूसरे के साथ खेलने में बहुत मजा आया। मुझे इन लोगों के साथ खेलना अच्छा लगता है। ये स्पेशल ग्रुप है। ऐसी टीम का हिस्सा होने का सौभाग्य महसूस होता है। उन्होंने आगे कहा, हमने जो हासिल किया है उस पर वास्तव में गर्व है। एक टीम का होना हमेशा अच्छा लगता है। इस सीरीज में तीन डेब्यू करने वाले खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने अलग-अलग समय में योगदान दिया। मैंने जिस तरह से खेला उससे काफी खुश हूं। इस सीरीज में मेरे पास एक नया खिलाड़ी आ रहा था। ये बड़ी सीरीज हैं, जिनके लिए आप तैयारी करते हैं। कुछ ऐसे उत्सुक क्षण थे जब हमारे मुख्य खिलाड़ी वास्तव में खड़े हुए। भारत जैसी टीम को हराने के लिए आपको ऐसा करने की जरूरत है। कप्तान कमिंस टीम को लेकर आगे बोले, रहमारे खिलाड़ियों ने अपनी बेस्ट परफॉर्मेंस दी। यह दिखाता है कि टेस्ट क्रिकेट इतना खास क्यों है और हम इसे खेलना इतना पसंद क्यों करते हैं। हर किसी को गुलाबी रंग में जश्न मनाते हुए देखना साल की शुरुआत करने का एक शानदार तरीका है।

बुमराह पर गंभीर ने कोंस्टास की आलोचना की

सिडनी। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पांचवें और आखिरी टेस्ट के दौरान जसप्रीत बुमराह से भिड़ने वाले ऑस्ट्रेलिया के युवा क्रिकेटर सैम कोंस्टास की आलोचना करते हुए कहा है कि उसे भारतीय कप्तान से बात करने का अधिकार नहीं था। खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित शर्मा के बाहर रहने के बाद भारत की कप्तानी कर रहे बुमराह ने जब उस्मान ख्वाजा को पहले दिन आउट किया तो कोंस्टास उनसे कुछ कहते दिखे। गंभीर ने मैच 6 विकेट से हारने के बाद कोंस्टास की इस हरकत पर भारतीय खिलाड़ियों की आक्रामक प्रतिक्रिया के बारे में पूछने पर कहा, 'कठोर लोगों द्वारा खेला जाने वाला यह कठिन खेल है। आप नरम नहीं पड़ सकते। मुझे नहीं लगता कि इसमें कुछ धमकाने जैसा था। उस्मान ख्वाजा जब समय बर्बाद कर रहे थे तब उसे जसप्रीत बुमराह से बोलने का कोई अधिकार नहीं था। इससे उसका कुछ लेना देना नहीं था। यह अंपायर का काम था।' गंभीर ने हालांकि कोंस्टास को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वह अनुभव से सीखेगा। उन्होंने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट में हर दिन प्रदर्शन में सुधार करना होता है। कई बार आप सीधे मैदान पर उतरकर पहली ही गेंद से स्ट्रोक्स नहीं लगा सकते। आपको लाल गेंद के क्रिकेट का सम्मान करना होता है और उम्मीद है कि वह अनुभवों से सीखेगा।' उन्होंने कहा, 'और जब आप भारत जैसे आला दर्जे के आक्रमण का सामना कर रहे हो तो आगे के लिए काफी सीख मिलती है। और जो कुछ हुआ, वह बीती बात है।' गंभीर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इसे तूल देने की जरूरत है। यह इस शहर में हुई एकमात्र घटना नहीं है।'

राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप

सौरभ-वरूण एयर पिस्टल फाइनल में

नई दिल्ली। दुनिया के पूर्व नंबर एक निशानेबाज सौरभ चौधरी और कई अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता वरूण तोमर ने शनिवार को यहां राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप की पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश किया। रेलवे का प्रतिनिधित्व कर रहे सौरभ रविवार को सेना के वरूण के खिलाफ खिताब हासिल करने की कोशिश करेंगे। क्वालिफिकेशन में कोई भी निशानेबाज सौरभ के कुछ दिन पहले बनाये गये 591 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से ज्यादा अंक नहीं बना सका। वरूण 585 अंक बनाकर 1339 निशानेबाजों में तीसरे स्थान पर रहे। सेना के प्रद्युमन सिंह और हरियाणा के परमोद ने क्रमशः सीनियर और जूनियर फाइनल्स में जगह बनाई। पुरूषों के फाइनल में सौरभ के साथ सेना के तीन निशानेबाज परमोद, मयंक चौधरी और आकाश भारद्वाज चुनौती पेश करेंगे। पंजाब के एकमात्र निशानेबाज गगनदीप 582 अंक से फाइनल के लिए क्वालीफाई कर पाये।

रणजी ट्रॉफी ना खेलने का कोई बहाना नहीं होना चाहिए: सुनील गावस्कर

सिडनी। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने रविवार को भारतीय बल्लेबाजों से बिना किसी बहाने के रणजी ट्रॉफी में खेलने का आग्रह किया जिससे कि तकनीकी कमियों को दूर किया जा सके जिसके कारण न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम को लगातार दो श्रृंखला में हार झेलनी पड़ी। गावस्कर ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई श्रृंखला में भारतीय बल्लेबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन चिंताजनक है। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ स्वदेश में 0-3 से क्लीरनस्वीप का सामना करना पड़ा था जबकि ऑस्ट्रेलिया में टीम को 1-3 से हार झेलनी पड़ी। गावस्कर ने कहा, '23 जनवरी को रणजी ट्रॉफी का अगला दौर है। देखते हैं कि इस टीम के कितने खिलाड़ी खेलते हैं। नहीं खेल पाने का कोई बहाना नहीं होना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'अगर आप उन मुकाबलों में नहीं खेलते हैं तो गौतम गंभीर को उन खिलाड़ियों के खिलाफ कुछ कड़े फैसले लेने होंगे जो रणजी ट्रॉफी के लिए उपलब्ध नहीं हैं।' गावस्कर ने कहा, 'गंभीर को कहना चाहिए कि तुम्हारे पास वह प्रतिबद्धता नहीं है। हमें प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। तुम खेल नहीं रहे हो। तुम जो करना चाहते हो, करो। लेकिन भारतीय क्रिकेट के लिए तुम टेस्ट टीम में वापस नहीं आ सकते।' गावस्कर ने कहा कि उपलब्ध अवसरों पर घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण भारतीय बल्लेबाजों के रवैये में खामियां आ गई हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने जो देखा वह तकनीकी कमियां थीं। यदि आप समान गलतियां कर रहे हैं और मैं केवल इस श्रृंखला के बारे में बात नहीं कर रहा हूं - मैं न्यूजीलैंड श्रृंखला के बारे में भी बात कर रहा हूं - आपने भारत में न्यूजीलैंड के खिलाफ क्या किया?' वहीं ऑस्ट्रेलिया की जीत के बाद बॉर्डर ने घरेलू टीम को ट्रॉफी सौंपी, लेकिन गावस्कर जो खुद मैदान पर मौजूद थे, उन्हें ट्रॉफी देने के लिए नहीं बुलाया गया। इस पर गावस्कर ने कहा, मुझे ट्रॉफी देने बुलाते तो मैं ऐसा करना पसंद करता। यह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी है और भारत और ऑस्ट्रेलिया की बात है। मेरा मतलब है कि मैं मैदान पर मौजूद था। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि ऑस्ट्रेलिया जीता है। उन्होंने बेहतर क्रिकेट खेला इसलिए जीते और यह सही है। यह सिर्फ इसलिए कि मैं एक भारतीय हूं, मुझे खुशी होती।

हर प्रोफेशनल्स के लिए जरूरी है ये 8 फोन एटिकेट्स

आज हम किसी से भी, कभी-भी और कहीं भी बात करने के लिए अपने सेलफोन का यूज करते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हमें जैसा चाहें वैसा फोन का उपयोग कर करें। प्रोफेशनल सेटिंग में फोन के उपयोग को लेकर समय और जगह को ध्यान रखना जरूरी होता है। आज हर प्रोफेशनल्स को इन 8 फोन एटिकेट्स को फॉलो करना जरूरी है :

पहले अभिनवादन करें और अपना पूरा नाम बताएं। केवल अपना पहला नाम बताना हर प्रोफेशनल कॉल में बहुत अनौपचारिक लगता है, वहीं केवल आखिरी नाम बताना भी असभ्यता है।

कुछ लोगों को यह अंदाजा नहीं होता है कि वे कितना तेज बोलते है, विशेष रूप से जब उनका पूरा ध्यान फोन पर बात कर रहे व्यक्ति पर होता है। अपने आसपास के माहौल के प्रति जागरूक रहें। आप कभी भी नहीं जानते कि आपकी बातों पर कौन ध्यान दे रहा है।

सामने बैठे किसी व्यक्ति से आप बात कर रहे हैं, इतने में आपका फोन बज उठता है और फोन पर बात करने लगते हैं। यह एटिकेट्स नहीं है। अगर आप किसी महत्वपूर्ण कॉल के इंतजार में है और इसे रीशेड्यूल करना संभव न हो तो आप जिस शख्स से आप मिल रहे हैं, इसके बारे में उन्हें जानकारी दे दें।

दूसरों से मीटिंग टेबल पर बात कर रहे हो तो अपना फोन टेबल पर न रखें। भले ही आप मीटिंग के दौरान फोन का जवाब न दें लेकिन यह ध्यान भटकाने के लिए काफी है।

अगर आप मीटिंग या कॉन्फ्रेंस के बीच में है और ऐसे में आपका फोन बज उठता है तो यह अच्छी बात नहीं है इसे साइलेंट मोड पर रखें या बंद कर दें।

प्रोफेशनल सेटिंग में यह बात भी मायने रखती है कि आपने अपने सेल का रिंगटोन क्या रखा है। लाउड और ब्लास्टिंग टोन रखने से पहले सोच लें कि इसे लेकर दूसरे क्या रिएक्ट करेंगे।

अगर किसी प्रोफेशनल कॉल में आपको अपना फोन स्पीकर मोड पर रखना पड़ा हो तो आपको यह ध्यान रखना होगा कि उन्हें बता दें कि आप किसी के साथ बैठे हैं।

लंबे वॉइसमेल्स न भेजें। छोटे और स्पष्ट संदेश छोड़ें। साफ बोले और व्यक्ति को यह बताएं कि आपने क्यों कॉल किया था। अगर आप फोन नंबर छोड़ रहे हैं तो इसे ये नंबर्स धीरे-धीरे बोले।

एंट्री इंटरव्यू की तरह एग्जिट इंटरव्यू भी मायने रखता है

एंट्री इंटरव्यू की तरह ही किसी कंपनी का एग्जिट इंटरव्यू भी उतना ही मायने रखता है।नौकरी छोड़ने से पहले एग्जिट इंटरव्यू भले ही मात्र एचआर संबंधी औपचारिकता लगे लेकिन इसका मतलब ये नहीं हैं कि इसके लिए आप कोई तैयारी न करें। इंटरव्यू में अपने जवाबों को तैयार रखकर आप अपने लिए भविष्य में उस कंपनी के दरवाजे हमेशा खुले रख सकेंगे।

एग्जिट इंटरव्यू के लिए कुछ जरूरी टिप्स:

सकारात्मक चीजों पर फोकस

एग्जिट इंटरव्यू के संदर्भ को समझना महत्वपूर्ण है और बिना किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाए सच बोलना जरूरी है। करियर के इस मोड़ पर आपको सकारात्मक प्रभाव बनाने के लिए सहयोगियों और प्रबंधकों की तारीफ करना चाहिए।

वापसी की इच्छा जताएं

अगर आप अच्छे टर्म के साथ अपने कार्यकाल को ऑफिस में पूरा कर रहे हैं तो इसके लिए आपको वापसी के सारे रास्ते खुल रखने की कोशिश करना चाहिए। हमेशा जुड़े रहने की इच्छा जताएं और वहां के एल्यूमिनी नेटवर्क का हिस्सा बनने को कहें।

आभार व्यक्त करें

ऑर्गनाइजेशन में अपने कार्यकाल को सहज बनाने में मदद करने वालों के प्रति आभार जताना न भूलें। यह केवल मैनेजमेंट को आपके बारे में पॉजिटिवी फील देगा।

माइक्रो पर्सपेक्टिव

अगर आपको अपने किसी साथी या वरिष्ठ प्रबंधक से संबंधित कोई बात रखने की भी है तो उसे सही तरीके से रखें। कुछ अगर कहना आवश्यक भी हो तो उसे माइक्रो पर्सपेक्टिव रखें।

कंस्ट्रक्टिव फीडबैक

आपके कार्यकाल के दौरान ऐसा समय भी रहा होगा जब वहां कलह और परेशानी का सामना करना पड़ा होगा। सुधारात्मक उपायों के साथ ईमानदार प्रतिक्रिया दें।

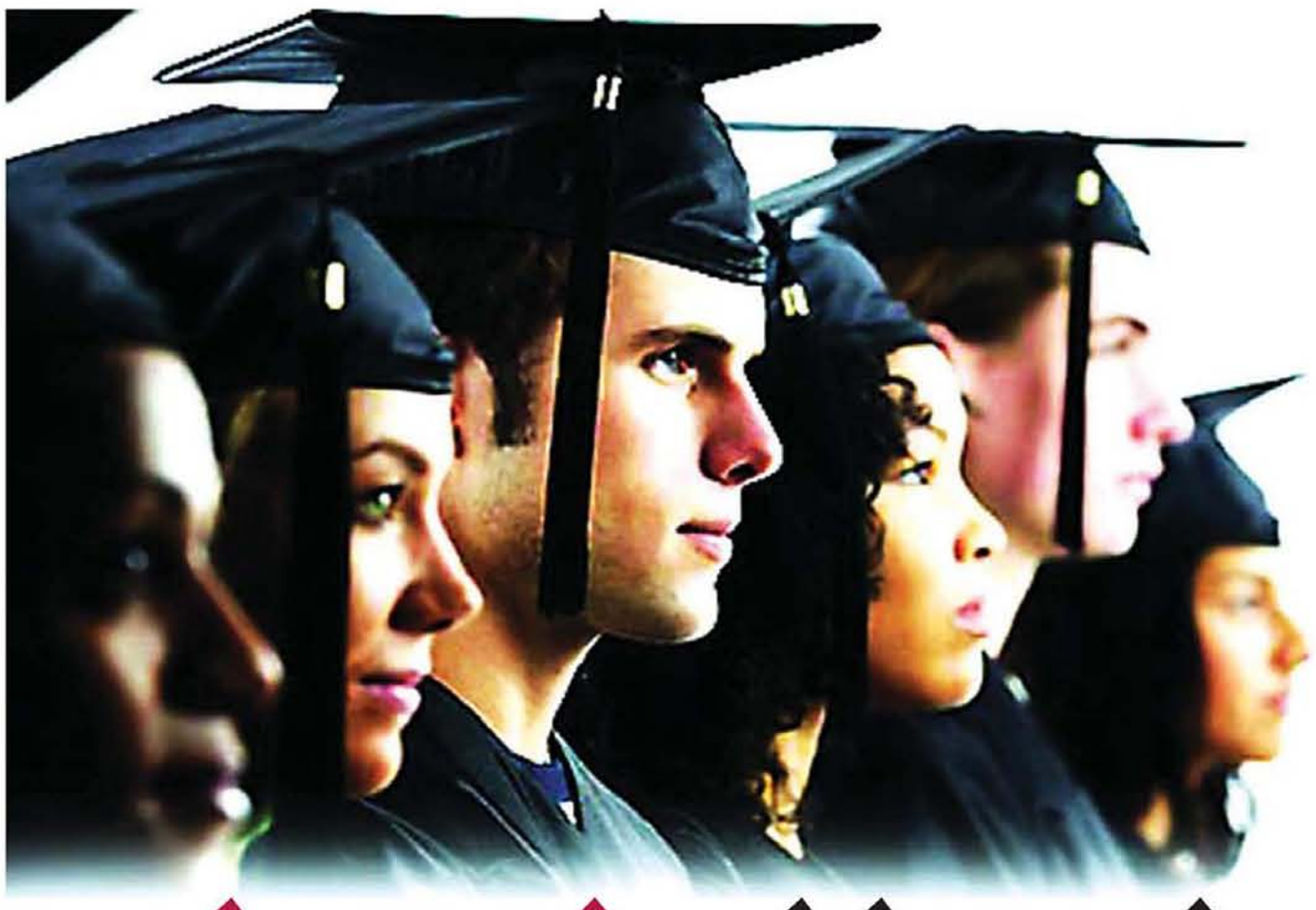

एजुकेशन लोन लेने का सोच रहे हैं तो ये बातें पहले जान लें

अगर आप एजुकेशन लोन लेकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो इन जरूरी बातों का ख्याल रखें

बच्चों के अच्छे भविष्य के लिए पेरेंट्स को उनकी पढ़ाई पर काफी खर्च करना पड़ता है। लेकिन कई बार बड़ी राशि के लिए किसी से कर्ज लेना भी संभव नहीं होता। ऐसे में पेरेंट्स के पास एक ही उपाय बचता है, और वह है बैंक लोन। एजुकेशन लोन उन स्टूडेंट को ही दिया जाता है, जो आगे की पढाई यानी हायर टेक्निकल और प्रोफेशनल कोर्स भारत या इससे बाहर करना चाहते हैं। खासकर, एजुकेशन लोन विभिन्न करियर ओरिएंटेड कोर्सों-इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, मेडिकल आदि में प्रवेश लेने वाले स्टूडेंट्स को आसानी से मिल जाता है। इसके अलावा, ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स को भी एजुकेशन लोन दिया जाता है। आज कई सरकारी, प्राइवेट बैंक शिक्षा ऋण की सुविधा उपलब्ध करवा रहे हैं। बैंक की सभी शर्तें मानना जाहिर है उनकी मजबूरी है पर ज्यादातर लोग उन शर्तों से वाकिफ भी नहीं होते। यह जरूर है कि बैंक से ऋण लेने के लिए उनकी सभी शर्तें पूरी करना उन्हें मानना आपकी मजबूरी है पर उसी बैंक से आप ऋण लें यह जरूरी नहीं। सभी बैंकों की शर्तें, ऋण की राशि पर ब्याज दर, ऋण चुकाने की समय सीमा, समय सीमा के अंदर ऋण न चुका पाने की स्थिति में ब्याज बढ़ने की दर आदि अलग-अलग होते हैं। ऐसे में अगर आप बैंक की शर्तों के प्रति असुरक्षित महसूस करते हैं तो किसी और बैंक की तरफ रुख कर सकते हैं। अगर आप एजुकेशन लोन से पढ़ाई करना चाहते हैं तो इन बातों का ख्याल रखें :

ब्याज दर किसी भी लोन का महत्वपूर्ण पहलू होता है। हर बैंक की ब्याज दर का तुलनात्मक अध्ययन करें। आपको यह भी पता करना चाहिए कि ब्याज फिक्स्ड रहेगा या फ्लोटिंग। यह लोन की राशि पर भी निर्भर करता है। ब्याज दर पर विचार करने के बाद ही अन्य बातों के बारे में सोचना चाहिए। अगर आप किसी बैंक से लोन लेने जाते हैं तो बैंक बदले में आपसे कुछ सिक्योरिटी की मांग करते हैं। इसका आधार हर बैंक अलग-अलग तय करता है। इसलिए पहले ही जानकारी जुटा लें कि आप बैंक से लोन लेने के लिए योग्य हैं या नहीं और आपके पास लोने के लिए उपयुक्त संसाधन हैं या नहीं।

एजुकेशन लोन लेते समय ही आपको पता कर लेना चाहिए कि आपको इसे चुकाने के लिए कितनी अवधि मिलेगी। आमतौर पर आप पूरी तरह से व्यवस्थित होने के बाद ही लोन चुका सकते हैं। हर बैंक में ऋण चुकाने की अवधि अलग-अलग होती है। हर बैंक का ब्याज लेने का अलग-अलग तरीका होता है। अगर आप ज्यादा लंबी अवधि तक लोन रखना चाहते हैं तो इससे आपके ऊपर ऋण का बोझ लंबे समय तक बना रहता है। जल्द से जल्द लोन चुका देना फायदेमंद रहता है। इससे हर बार मासिक किस्त की टेंशन नहीं रहती है।

डाउन पेमेंट वह राशि होती है, जो लोन लेते वक्त आपको बैंक में जमा करवानी पड़ती है। यह राशि ऋण की राशि का लगभग 5 से 20 फीसदी तक हो सकती है। इसके बारे में भी जरूर जानकारी समय रहते हासिल कर लें, ताकि आपको धनराशि जुटाने के लिए पूरा समय मिल सके और कोई तनाव न हो

बैंक लोन देते समय कई प्रक्रियाएं पूरी करते हैं। इन प्रक्रियाओं के लिए आपको हर बार कुछ न कुछ राशि का भुगतान करना पड़ता है। प्रोसेसिंग फीस, डॉक्यूमेंट फीस व अन्य फीस भी लोन के समय चार्ज की जाती है। इनके बारे में जानकारी कर लें।

90 सेकंड में तय हो जाता है इंटरव्यू का रिजल्ट

जॉब इंटरव्यू कोई औपचारिकता नहीं है बल्कि यह तो कैंडिडेट की किसी पोस्ट को लेकर टेक्निकल, पर्सनल, सोशल स्किल्स को परखने का माध्यम है। हाल ही में हुए दो हजार हाइरिंग मैनेजर से लिए गए सर्वे में 33 प्रतिशत ने दावा किया है कि वे 90 सेकंड्स में पता कर लेते हैं कि वे कैंडिडेट्स को हायर करेंगे या नहीं। इंटरव्यू में कई आम गलतियां होती है जिसमें से एक है हद से ज्यादा इस बारे में बात करना कि पिछली जॉब क्यों छोड़ी। हास्य, गर्मजोशी या व्यक्तित्व की कमी भी इंटरव्यू में असफलता का कारण बनती है। इसके अलावा जॉब को लेकर पर्याप्त रुचि या उत्साह नहीं दिखाना, इस पर ज्यादा ध्यान देना कि आप क्या चाहते हैं जैसी गलतियां भी आमतौर पर लोग करते हैं। 55 प्रतिशत हायरिंग मैनेजर्स का कहना है कि कैंडिडेट के दरवाजे से अंदर चलकर आने, ड्रेसअप से पहला इम्प्रेशन पड़ता है। वहीं 38 प्रतिशत का मानना है कि वॉइस की क्वॉलिटी, ग्रामर और कॉन्फिडेंस पहले इम्प्रेशन का पैमाना है। 7 प्रतिशत ने कहा कि बोलने के लिए जिन शब्दों का उपयोग करते हैं, उससे कैंडिडेट पहली छाप छोड़ता है। 70 प्रतिशत एम्प्लॉयर्स का दावा है कि वे ऐसे कैंडडिट्स नहीं चाहते जो हद से ज्यादा फैशनेबल या ट्रेंडी हो। 65 प्रतिशत हायरगि मैनेजर्स का कहना है कि एक जैसे दो कैंडिडेट्स के बीच में कपड़े एक डिसाइडिंग फैक्टर है।

इंटरव्यू के दौरान आम नॉन-वर्बल मिस्टेक्स

67 प्रतिशत लोग आई कॉन्टेक्ट बनाने में असफल हो जाते है। 47 प्रतिशत लोगों को कंपनी के बारे में कम जानकारी होती है। 38 प्रतिशत लोग स्माइल नहीं करते। 33 प्रतिशत लोग सही पोश्चर बनाए रखने में असफल होते हैं। 26 प्रतिशत लोग ढीले तरीके से हैंडशेक करते है। 21 प्रतिशत लोग अपने बाल या चेहरे को छूते रहते हैं। 21 प्रतिशत लोग अपने अपने हाथ की घड़ी करके रखते है। 9 प्रतिशत लोग अपने हैंड गेश्चर्स का बहुत ज्यादा उपयोग करते हैं।

नहीं आया इंटरव्यू के लिए कॉल आपने की होंगी ये गलतियां

शायद आप कुछ समय से जॉब तलाश रहे हों और आपने अलग-अलग कंपनियों, अलग-अलग पदों पर आवेदन दिया हो। हर दिन आप यह काम करते हो लेकिन आपके पास अभी तक कोई रिस्पॉन्स नहीं आया हो, ना कोई कॉल, ना ई-मेल। आपके हताश होने से पहले, यहां कुछ जरूरी बातें दी जा रही है जो कि आप आवदेनों को भेजने के पहले एक बार फिर चेक कर लें।

हर आवेदन में एक ही सीवी और कवर लेटर तो नहीं यूज किया

हर जॉब अलग है और उस जॉब की जरूरत के हिसाब से सीवी में बदलाव की जरूरत होती है। आपको अपना सीवी कस्टमाइज करने के लिए समय निकालना चाहि और यह सोचना चाहिए कि ऐसा क्या बदलाव किया जाए कि आपको इंटरव्यू के लिए एचआर से कॉल आ जाए। अगर आपका सीवी हर जॉब के हिसाब से पर्सनलाइज्ड नहीं हुआ तो यह इग्नोर हो सकता है। एम्प्लॉयर्स यह बात नोटिस करते है कि आपके सीवी और कवर लेटर में एक ही बातें तो नहीं है। भीड़ से अलग दिखने के लिए आपको यह साबित करना होगा कि आप एक अच्छे एम्प्लॉई बन सकते हैं। ऐसी चीजें शामिल करें जिससे कंपनी ज्यादा आकर्षित हो।

आवेदन गलत जगह तो भेज नहीं दिया

जिस व्यक्ति को आवदेन भेजना है उसके नाम में कई आवेदक गलती से या मूर्खतावश गलती कर देते हैं। वशिष रूप से जब आप अलग-अलग जगहों पर अप्लाई कर रहे हैं तो एड्रेसी और कंपनी का नाम अपडेट करना आसानी से भूल सकते हैं। इतना ही नहीं नाम की स्पेलिग में गलती भी भारी पड़ सकती है।

आप न्यूनतम योग्यता पर खरे नहीं उतरे हैं

आपको इंटरव्यू कॉल नहीं आएगा अगर आप अंडरक्वॉलिफाइड हैं। अगर आपके पास आवश्यकतानुसार अनुभव, शैक्षणिक योग्यता नहीं है या आपने उसी माहौल या इंडस्ट्री में काम नहीं किया है तो आपका सीवी बाहर कर दिया जाएगा। याद रखें, आपको यह पता होना चाहिए कि आप योग्य है लेकिन आप रिकूटर के लिए केवल एक कागज का टुकड़ा हैं। वे आपके बारे में उतना ही जानते हैं जो आपका पिछला अनुभव कहता है। उन्हें कई सारे सीवी देखने होते हैं और वे कभी भी अपना समय ऐसे में व्यर्थ नहीं करेंगे या आपके बारे में ज्यादा जानने की कोशिश नहीं करेंगे।

क्या आप न्यूनतम योग्यता को पार कर गए हैं

अगर आप ओवरक्वॉलिफाइड हैं तो भी आपके पास कॉल नहीं आएगा। कोई भी कंपनी ऐसे व्यक्ति को हायर नहीं करेगी। ऐसे में आपका सीवी भी रिजेक्ट हो जाएगा और वे सीवी के ढेर में नए आवेदन पर नजर घुमाएंगे।

कॉन्टेक्ट डिटेल्स अपडेट किया

भेजने से पहले आपको सीवी आपको बार-बार चेक करना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लें कि आपने आपका वर्तमान ई-मेल एड्रेस, मोबाइल नंबर और लैंडलाइन नंबर डॉक्यूमेंट्स में अपडेट कर लिया है। अगर आपने आपका पुराना सोशल मीडिया अकाउंट्स डिलीट कर दिया है तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपने उसे सीवी से भी हटा दिया है। अगर आपने सोशल मीडिया अकाउंट्स में प्राइवेसी सेंटिंग कर रखी है तो एचआर को इसके जरिए संपर्क करने का मत कहिए।

कियारा की बिगड़ी तबीयत, टीम ने साझा की हेल्थ अपडेट

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी साउथ अभिनेता के साथ अपनी आगामी फिल्म 'गेम चेंजर' की रिलीज की तैयारियों में जुटी हैं। अभिनेत्री शनिवार को एक प्रमोशनल इवेंट में शामिल होने वाली थीं। हालांकि, स्वास्थ्य समस्याओं के चलते वह इस कार्यक्रम का हिस्सा नहीं बन सकी। रिपोर्ट्स के मुताबिक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। अब कियारा की टीम ने उनका हेल्थ अपडेट जारी किया है।

अस्पताल में भर्ती नहीं हुई अभिनेत्री

कियारा की टीम ने एक बयान जारी करते हुए कहा, कियारा आडवाणी को अस्पताल में भर्ती नहीं कराया गया है, उन्हें थकान के कारण आराम करने की सलाह दी गई है, क्योंकि वह लगातार काम कर रही हैं। प्रेस मीट में शामिल होने वाली थीं कियारा मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कियारा आडवाणी राम चरण के साथ गेम चेंजर की प्रेस मीट में शामिल होने वाली थी। हालांकि, तबीयत बिगड़ने की वजह से वह इसमें हिस्सा नहीं ले पाई।

बिग बॉस में हुई थीं शामिल

अभिनेत्री शुक्रवार को सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 18' के वीकेंड का वार एपिसोड में दिखाई दीं। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ बातचीत भी की। शो के सेट से अभिनेत्री की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

कब रिलीज होगी कियारा और राम चरण की फिल्म?

कियारा आडवाणी और रामचरण की फिल्म 'गेम चेंजर' 10 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। गेम चेंजर में, कियारा को राम चरण के किरदार की प्रेमिका के रूप में देखा जाएगा। अभिनेत्री के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे जूनियर एनटीआर और ऋतिक रोशन के साथ 'वॉर 2' में भी दिखाई देंगी।

22 सालों से इंडस्ट्री में काम कर रही, यही मेरे लिए एक बहुत बड़ी अचीवमेंट है

नेहा धूपिया इस साल फिल्म बैड न्यूज में अपनी भूमिका को लेकर चर्चा में रहीं। इसमें उन्होंने अहम रोल प्ले किया था। इस बारे में उनसे हुई खास बातचीत...

बैड न्यूज टेलीविजन पर आ रही है। इसकी एक्साइटमेंट किस तरह से है?

कोई फिल्म जब टेलीविजन पर आती है, तब साबित होता है कि यह अच्छी, इंटरेस्टिंग और एंटरटेनिंग फिल्म है। सिनेमा से निकलकर फिल्म टेलीविजन पर आती है, तब उसकी ऑडियंस और ज्यादा बढ़ जाती है। ज्यादा लोग काम को देखते और सराहते हैं, तब अच्छा लगता है। यह फिल्म स्टार गोल्ड पर रविवार (आज) को आ रही है, इसे लेकर बहुत एक्साइटेड हूं। हम जब शूटिंग करते हैं, तब अपने को-स्टार के साथ बातें होती हैं। उस समय प्रमोशन का प्रेशर हाई होता है। उसके लिए कुछ लाइनें याद करनी पड़ती है लेकिन टेलीविजन पर जब फिल्म आती है, तब थोड़ा रिलैक्स रहते हैं।

बैड न्यूज के दौरान की कोई ऐसी बात बताइए, जो आज भी जेहन में तरोताजा हो?

इस फिल्म की शूट कर रही थी, तब दूसरी बार मां बनी थी। मेरा बेटा मात्र दो महीने का था, इसलिए मेरे लिए शूटिंग करना थोड़ा टफ था। मैं बेटे से 8-10 घंटे से ज्यादा देर तक दूर नहीं रहती थी। यह मेरे लिए बहुत हेक्टिक हुआ था। उस समय मेरा शूट करने का मन नहीं था पर फिल्म इतनी अच्छी थी कि मना नहीं कर पाई। यह सेकंड टाइम मां बनने के बाद मेरा पहला प्रोजेक्ट था, जो हमेशा याद रहेगा। मां बनने के बाद यह मेरा पहला काम है, इसलिए यह मुझे एम्पावर करता है। इसके अलावा निर्देशक आनंद तिवारी, निर्माता करण जौहर और विकी कौशल मेरे दोस्त हैं। यह फिल्म करने के दौरान तृप्ति डिमरी और एमी विर्क को जानने-पहचानने का मौका मिला।

रियल लाइफ में बैड न्यूज से निकलने का तरीका क्या होता है?

हमें बैड न्यूज के बारे में बात करना चाहिए। सबसे जरूरी बात है कि आपको रियलाइज करना है कि यह एक दौर है, जो हमेशा नहीं रहेगा। उससे ज्यादा जरूरी बात यह है कि अगर यह बैड न्यूज इमोशनल है और आप उसको सुधार सकते हैं, तब उसके बारे में अपने करीबी दोस्तों से बात करनी चाहिए। लाइफ में जो होता है, वह अच्छे के लिए होता है। बस हमें स्ट्रॉन्ग रहना चाहिए।

साल 2024 को किस रूप में देखती हैं। 2025 में क्या करेंगी?

मेरे लिए साल 2024 काफी अच्छा रहा। अभी दो महीने रोडीज के लिए शूट करके आई हूं, जो 11 जनवरी 2025 से शुरू हो रहा है। साल 2025 में एक नया ओटीटी शो आ रहा है। मेरी एक इंटरनेशनल फिल्म है, जिसका नाम ब्लू 52 है। यह भी रिलीज होगी। इसके अलावा दो ओटीटी शो भी हैं।

आपको फैंस और ऊंचे पायदान पर देखना चाहते हैं। क्या कहेंगी?

फैस और दर्शकों को धन्यवाद देती हूं। हमेशा उम्मीद रहती है कि हम भी पर्सनली-प्रोफेशनली और ऊंचाई पाएं पर कई बार स्टेप बैक करना पड़ता है। 22 सालों से काम कर रही हूं, यही मेरे लिए बड़ी अचीवमेंट है।

फिल्म थामा में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना फिल्म पुष्पा 2 के बाद आयुष्मान खुराना के साथ नजर आएंगी। दोनों साथ में हॉरर-कॉमेडी फिल्म थामा में दिखाई देंगे। हाल ही में एक्ट्रेस ने आयुष्मान के साथ फिल्म के सेट से एक वीडियो शेयर किया है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया है। वीडियो शेयर करते हुए लिखा- उम्मीद है कि आप धमाकेदार हॉलिडे मना रहे होंगे। 2025 में मिलते हैं। इस फिल्म का डायरेक्शन मुंजया फिल्म के डायरेक्टर आदित्य सर्पोतदार कर रहे हैं।

साल 2025 में दिपावली पर रिलीज होगी फिल्म

रश्मिका और आयुष्मान की ये फिल्म साल 2025 में दीपावली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म थामा की स्टोरी वर्तमान की दिल्ली और अतीत का विजयनगर साम्राज्य पर आधारित है।

परेश रावल, नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी नजर आएंगे

फिल्म थामा की अनाउंसमेंट 30 अक्टूबर 2024 को की गई थी। फिल्म में परेश रावल, नवाजुद्दीन सिद्दीकी समेत कई कलाकार नजर आएंगे। जानकारी के मुताबिक, 12 दिसंबर 2024 की रात को फिल्म की शूटिंग शुरू की गई थी। फिल्म की शूटिंग की शुरुआत करते हुए परेश रावल, रश्मिका और आयुष्मान ने अपने कैरेक्टर के इंट्रोडक्शन सीन्स शूट किए थे। ऐसा माना जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग दिल्ली से शुरू की गई थी। फिल्म पुष्पा- 2, 5 दिसंबर 2024 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रश्मिका मुख्य किरदार में नजर आई थीं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की। फिल्म में रश्मिका ने अल्लू अर्जुन यानी पुष्पाराज की वाइफ श्रीवल्ली का रोल प्ले किया है। बता दें, अब रश्मिका साजिद नाडियाडवाला की फिल्म सिकंदर में सलमान खान के साथ दिखाई देंगी। ये फिल्म साल 2025 में ईद पर रिलीज होगी। इसके साथ एक्ट्रेस फिल्म द गर्लफ्रेंड में भी नजर आएंगी।

शालीन भनोट ने ईशा संग अफेयर पर तोड़ी चुप्पी

एक्टर शालीन भनोट ने अपने साथ ईशा सिंह का नाम जोड़े जाने और अफेयर की खबरों पर रिएक्ट किया है। वह ईशा के कैरेक्टर पर उंगली उठाए जाने से नाराज हैं और वीडियो शेयर किया है। बिग बॉस 18 में अविनाश मिश्रा और ईशा सिंह की केमिस्ट्री खूब चर्चा में बनी हुई है। अविनाश और ईशा ने भले ही सीधे तौर पर कुछ न कहा हो, पर इतना जरूर कबूल किया कि वो एक-दूसरे को पसंद करते हैं और अच्छे दोस्त हैं। पर वीकेंड का वार में जबसे सलमान ने ईशा को चिढ़ाते हुए शालीन भनोट का नाम लिया, तबसे दोनों का नाम साथ जोड़ा जा रहा है। कुछ यूजर्स ने इस वजह से ईशा पर उंगलियां उठानी शुरू कर दीं और कहा कि घर के बाहर शालीन संग अफेयर और अंदर अविनाश मिश्रा के पीछे हैं। यही नहीं, सलमान के खुलासे के बाद करण भी बाद में ईशा से पूछते दिखे कि शालीन खतरों के खिलाड़ी में किसी से पूरे-पूरे दिन फोन पर बात करता था। क्या वो तुम थीं? इस पर ईशा ने कहा था कि नहीं, वो नहीं थीं। उन्होंने सलमान से भी कहा था कि वह और शालीन सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। पर अब ईशा और शालीन के अफेयर की खबरें तेज हो गई हैं और उनके रील्स भी वायरल हो रहे हैं। यह सब देख शालीन भनोट खुद को रोक नहीं पाए और वीडियो शेयर किया है। वीडियो में शालीन कह रहे हैं, बहुत लोग बहुत कुछ बोल रहे हैं। मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहूंगा कि आप लोग मेरे बारे में बात करते हैं, मुझे कोई प्रॉब्लम नहीं है।

ब्लैक वारंट तिहाड़ जेल की दीवारों के पीछे की कहानी, जहान कपूर का डेब्यू

भारतीय सिनेमा के जाने-माने निर्देशक विक्रमादित्य मोटवानी की आगामी फिल्म ब्लैक वारंट का दमदार ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस सीरीज में कुणाल कपूर के बेटे और शशि कपूर के पोते जहान कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसमें वह तिहाड़ के जेलर रहे सुनील गुप्ता का किरदार निभा रहे हैं। निर्माताओं ने ब्लैक वारंट का ट्रेलर जारी कर प्रशंसकों के बीच उत्साह पैदा कर दिया है। प्रशंसकों को ब्लैक वारंट का ट्रेलर खूब पसंद आ रहा है। जहान की अदाकारी की काफी तारीफ हो रही है। वेब सीरीज ब्लैक वारंट का प्रीमियर 10 जनवरी, 2025 को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर किया जाएगा।

निर्माताओं ने ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा, तिहाड़ की भयानक जेल में कौन डर जाएगा और कौन लड़ जाएगा? कुछ वास्तविक घटनाओं पर आधारित। इसकी कहानी लेखक सुनील गुप्ता की लोकप्रिय किताब ब्लैक वारंट पर आधारित है। विक्रमादित्य मोटवानी इस सीरीज के सह-निर्माता भी हैं। जहान के अलावा इस सीरीज में अभिनेता राहुल भट्ट, परमवीर सिंह चीमा, अनुराग ठाकुर, सिद्धांत गुप्ता और राजश्री देशपांडे समेत कई अन्य कलाकार नजर आएंगे।

विक्रमादित्य मोटवाने ने कहा, ब्लैक वारंट ने हमें एक ऐसी दुनिया का पता लगाने का अवसर प्रदान दिया, जो अक्सर दृश्यों से छिपी रहती है- जो कठिन, जटिल और विरोधाभासों से भरी है। तिहाड़ जेल के माध्यम से सुनील के इस सफर को दिखाया गया है। नेटफ्लिक्स, अप्लॉज एंटरटेनमेंट और कॉन्फ्लुएंस मीडिया के साथ साझेदारी ने हमें एक ऐसी कहानी तैयार करने की अनुमति दी जो कच्ची, मनोरंजक और गहराई से मानवीय है। मैं दर्शकों द्वारा इस शक्तिशाली कहानी के भीतर की मानवता और धैर्य को उजागर करने का इंतजार नहीं कर सकता।

स्त्री 2 के साथ वेदा का क्लैश टालना चाहते थे निखिल आडवाणी

निखिल आडवाणी ने जॉन अब्राहिम को लेकर कहा कि एक कम्फर्ट हो गया। हम इंडस्ट्री के बारे में बात नहीं करते। हम फुटबॉल और पॉलिटिक्स को लेकर बात करते हैं। वो हमेशा मुझे एक्सरसाइज करवाने की कोशिश भी करता है। वो हमेशा मुझे सही डाइट को लेकर बात करता रहता है।

वेदा की रिलीज को रोकना चाहते थे

डिजिटल कमेंट्री से बातचीत में वेदा फिल्म को लेकर निखिल आडवाणी ने कहा कि वे सोच रहे थे कि फिल्म रिलीज न हो। मैं तो बहुत कोशिश कर रहा था। पटियाला में वीडियो विज्ञापन शूट कर रहा था, तभी सबके फोन आ रहे थे कि सेंसर बोर्ड ने अभी तक सर्टिफिकेट नहीं आ रहा, मैंने कहा मत आने दो यार। उन्होंने कहा लोगों को फिल्म बहुत पसंद आई। ये बहुत अच्छी फिल्म है।

वेदा को लेकर बताई अपनी राय

आपको बता दें कि निखिल आडवाणी की फिल्म वेदा और स्त्री 2 के साथ खेल खेल में भी बॉक्स ऑफिस पर साथ में रिलीज हुई थी। स्त्री 2 की हाइप इतनी ज्यादा हुई कि उसका असर वेदा पर भी हुआ। निखिल ने कहा कि ये फिल्म लोगों को बहुत पसंद आई। फिल्म में जॉन और अभिषेक बनर्जी की भूमिका को फैंस ने बहुत पसंद किया।

इस दिन रिलीज करना चाहते थे फिल्म

निखिल आडवाणी ने खुलासा किया कि वे चाहते थे कि फिल्म 5 या 6 दिसंबर पर रिलीज हो, क्योंकि ये जातिवाद से जुड़ी फिल्म है। उन्होंने कहा कि वे अपनी गलती और फेलियर से सीखते हैं। इस पर मेरा कंट्रोल नहीं था, मैं अगली बार ऐसी चीजों पर ध्यान रखूंगा।

यश चोपड़ा और यश जौहर को लेकर बोले निखिल

निखिल ने कहा कि यश राज फिल्म में हम जल्दी उठते थे, यश चोपड़ा इसके बाद आते थे और डिमांड करते थे कि वो ऐसा मांगते थे, वैसी चीजें करते थे। उन्होंने कहा कि मैं यश चोपड़ा और यश जौहर का आभारी हूं जिन्होंने मेरे बदलावों को भी अपनाया।

कैंसर से जंग के बीच काम कर रहीं हिना खान? इस शो से मचाएंगी धमाल

अभिनेत्री हिना खान एपिक ऑन की नई थ्रिलर सीरीज गृह लक्ष्मी के साथ वापसी करने के लिए तैयार हैं। स्ट्रीमर ने शो के कलाकारों का परिचय देते हुए सोशल मीडिया पर एक टीजर साझा किया है।

उत्तराखंड के नैनीताल जिले में स्थापित, कहानी हिना के किरदार लक्ष्मी पर आधारित है। पिछले साल जून में हिना को स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर का पता चला था। तब से वह अपने प्रशंसकों को अपने इलाज और कीमोथेरेपी के बारे में बताती रही हैं। टीवी धारावाहिक ये रिश्ता क्या कहलाता है में अक्षरा के रूप में अपनी भूमिका के लिए प्रसिद्धि प्राप्त की थी।

मेरठ से दिल्ली के बीच दौड़ने लगी 'नमो भारत ट्रेन'

गाजियाबाद (चेतना मंच)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को साहिबाबाद और न्यू अशोक नगर दिल्ली के बीच दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के 13 किलोमीटर लंबे अतिरिक्त खंड का उद्घाटन किया। इस

प्रधानमंत्री ने साहिबाबाद व न्यू अशोक नगर के बीच खंड का किया उद्घाटन

उद्घाटन के साथ ही दिल्ली में नमो भारत ट्रेनों का शुभागमन हो गया। अब मेरठ और दिल्ली के बीच नमो भारत ट्रेन दौड़ने लगी है।

वर्तमान में साहिबाबाद और मेरठ साउथ के बीच नौ स्टेशन के साथ कॉरिडोर का 42 किलोमीटर लंबा खंड परिचालित था। उद्घाटन के साथ नमो भारत कॉरिडोर का परिचालित खंड 55 किलोमीटर तक विस्तारित हो गया है, जिसमें कुल 11 स्टेशन हैं।

प्रधानमंत्री ने साहिबाबाद स्टेशन से नव-उद्घाटित न्यू अशोक नगर स्टेशन तक नमो भारत ट्रेन में यात्रा का आनंद भी लिया।

साहिबाबाद नमो भारत स्टेशन के कॉनकोर्स लेवल पर, उन्होंने एनसीआरटीसी द्वारा 'नमो भारत-यात्रा राष्ट्र निर्माण की' शीर्षक से आयोजित फोटो प्रदर्शनी का दौरा किया, जिसमें राष्ट्र निर्माण की यात्रा में नमो भारत परियोजना के योगदान और दृष्टिकोण को प्रदर्शित किया गया। उन्होंने एनसीआरटीसी की अत्याधुनिक एसेट मैनेजमेंट सिस्टम का भी अवलोकन किया।

सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में इंटीग्रेटेड डिजिटल भुगतान से होने वाली सुविधा और सरलता का प्रदर्शन करते हुए, प्रधान मंत्री ने यूपीआई भुगतान प्रणाली का उपयोग करके एक एनसीएमसी (नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड) खरीदा। इसके बाद वह साहिबाबाद स्टेशन से नमो भारत ट्रेन में सवार हुए और न्यू अशोक नगर नमो भारत स्टेशन तक यात्रा की।

प्रधानमंत्री ने महिला ट्रेन ऑपरेटरों और स्टेशन नियंत्रकों के साथ भी बातचीत की और संचालन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की।

प्रधानमंत्री ने इस नव-उद्घाटित खंड पर परिचालन शुरू करने के लिए रोहिणी से नमो भारत ट्रेनों को हरी झंडी भी दिखाई। रविवार शाम 5 बजे से साहिबाबाद को न्यू अशोक नगर से जोड़ने वाला यह खंड जनता के लिए परिचालित हो जाएगा। इसके साथ ही, नमो भारत ट्रेनें अब दिल्ली पहुंचेंगी, जिससे न्यू अशोक नगर और मेरठ साउथ के बीच यात्रा में लगने वाला समय घटकर 40 मिनट से कम हो जाएगा और क्षेत्रीय संपर्क में काफी वृद्धि होगी।

इस नव-उद्घाटित 13 किमी खंड में से 6 किमी भूमिगत है और इसमें कॉरिडोर का एक प्रमुख स्टेशन, आनंद विहार शामिल है। यह पहली बार है जब नमो भारत ट्रेनें भूमिगत खंड में चलेंगी। इस खंड पर दूसरा स्टेशन न्यू अशोक नगर है जो एक एलिवेटेड स्टेशन है। दोनों स्टेशन दिल्ली में स्थित हैं।

'एचएमपीवी से डरने की नहीं सावधानी बरतने की जरूरत'

नोएडा (चेतना मंच)। चीन में कोविड-19 के बाद अब ह्यूमन

डॉ. डी.के. गुप्ता

मेटापन्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में इस वायरस से घबराने की जरूरत नहीं है।

फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. डी.के. गुप्ता का कहना है कि एचएमपीवी वायरस एक सामान्य श्वसन संक्रमण का कारण बनता है। यह मेटापन्यूमोवायरिडे परिवार से संबंधित एक आरएनए वायरस है। इस वायरस के लक्षण फ्लू और कोविड-19 से मिलते-जुलते हैं। यह संक्रमण आमतौर पर बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को प्रभावित करता है।

एचएमपीवी वायरस मुख्यत: खांसने और छींकने से फैलता है। इसके अलावा, संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने, हाथ मिलाने या वायरस से दूषित सतह को छूने से यह फैल सकता है। संक्रमण के लक्षण संक्रमित होने के 3-5 दिनों के भीतर दिखाई देने लगते हैं।

भारत में एचएमपीवी वायरस के गंभीर प्रभाव की संभावना नहीं है। यह वायरस भारत में सामान्य श्वसन संक्रमण का कारण बनता है। इस वायरस का कोई विशिष्ट एंटीवायरल उपचार या टीका नहीं है। उपचार मुख्यत: लक्षणों के आधार पर किया जाता है।

बुजुर्ग, बच्चे और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। बाहर जाते समय मास्क पहनें। बाहर से आने के बाद साबुन और पानी से हाथ धोएं या सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें। भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें। इम्यूनिटी को मजबूत करने के लिए संतुलित आहार और नियमित व्यायाम करें। किसी भी लक्षण के दिखने पर डॉक्टर से परामर्श करें।

लक्षण बुखार, खांसी, जुकाम, सिरदर्द और मांसपेशियों में दर्द, गले में खराश, मतली, उल्टी और डायरिया

एचएमपीवी कोई नया वायरस नहीं है। यह 2023 में चीन, अमेरिका, नीदरलैंड, ब्रिटेन और अन्य देशों में भी देखा गया था। भारत में यह सामान्य मौसमी संक्रमणों के रूप में ही रहता है। इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है, बल्कि सतर्कता बरतनी चाहिए। एचएमपीवी वायरस के बढ़ते मामलों के बीच आम जनता को घबराने की बजाय विशेषज्ञों की सलाह का पालन करना चाहिए और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए।

बचाव के उपाय

● मास्क का उपयोग करें, ● हाथ धोएं, ● भीड़भाड़ से बचें, ● स्वस्थ दिनचर्या अपनाएं, ● डॉक्टर की सलाह लें

गुरू गोबिन्द सिंह के प्रकाश पर्व शहर में निकाला नगर कीर्तिन

नोएडा (चेतना मंच)। सैक्टर-12 गुरूद्वारा श्री गुरू हरिकृष्ण साहिब जी द्वारा साहिबे कमाल गुरू गोबिन्द सिंह जी महाराज के प्रकाश पर्व के अवसर पर

शाहाना नगर कीर्तन का शुभारम्भ किया गया। यह कीर्तन पूरे शहर में भ्रमण करते हुए प्रात: 10 बजे से सायं 06 बजे तक आयोजित किया गया। कीर्तन गुरूद्वारा श्री गुरू हरिकृष्ण साहिब जी से प्रारम्भ होकर मेट्रो अस्पताल, बारात घर सैक्टर-12, नोएडा स्टेडियम, स्पाईस माल, सैक्टर 25, सैक्टर 26, सैक्टर 27, सनातन धर्म मंदिर द्वारा भी नगर कीर्तन, सब माल होते हुए गुरूद्वारा श्री गुरू सिंह सभा सैक्टर 18 में समाप्त हुआ। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर लंगर का आयोजन भी किया गया।

इस अवसर पर गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद डॉ. महेश शर्मा ने पंजाबी एकता समिति द्वारा लगाए गए पंडाल में पहुंचकर नगर कीर्तन का अभिनंदन और स्वागत किया। उन्होंने पांच प्यारों को फूल माला और सरोपा पहनाकर उनका आशीर्वाद लिया। साथ ही पंजाबी एकता समिति के सभी सदस्य भी उपस्थित रहे।

कीर्तन के आयोजन में भूपिन्दर सिंह, हरमीत सिंह, परमजीत सिंह, रणधीर सिंह, मनिन्दर सिंह, गुरजिन्दर सिंह, संजय बाली, भूपिन्दर सिंह, हरमीत सिंह, परमजीत सिंह, रणधीर सिंह, मनिन्दर सिंह, गुरजिन्दर सिंह, संजय बाली, वीरेन्द्र मेहता, गौरव चाचरा, विनीत मेहता, प्रवीन सोनी, चन्द्रपाल सिंह, प्रमोद, राजवीर सिंह, नरेन्द्र चोपडा समेत काफी संख्या में शहर के नागरिक उपस्थित रहे।

रेनू मेमोरियल ट्रस्ट ने वृद्धों के लिए लगाया स्वास्थ्य शिविर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के दनकौर स्थित वृद्धा आश्रम में रेनू मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा

विजन हेल्थ फाउंडेशन के सहयोग से एक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर में वृद्ध आश्रम के लगभग 50 वृद्धजनों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर का उद्देश्य समाज के वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

शिविर में वरिष्ठ नागरिकों की सेहत से संबंधित विभिन्न जांचें की गईं, जिनमें रक्तचाप, शुगर, हृदय गति और अन्य सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण शामिल थे। विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मरीजों को आवश्यक सलाह और व्यायाम बताए। साथ ही वृद्धजनों में फल और अन्य सामग्री वितरित किये।

ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव नाटी ने बताया, ट्रस्ट का उद्देश्य स्वास्थ्य, शिक्षा और सेवा के क्षेत्रों में समाज के जरूरतमंद वर्गों तक सहायता पहुंचाना है। इस शिविर के माध्यम से ट्रस्ट ने अपनी प्रतिबद्धता को फिर से व्यक्त किया है।

इस मौके पर शिविर में रेनू मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, , उपाध्यक्ष रोहित प्रियदर्शन, डॉ. अजय कुमार, डॉ. साकेत, फाल्गुनी श्रीवास्तव, वैभव श्रीवास्तव, उज्वल ठाकुर, पवन कुमार आदि उपस्थित रहे।

बुजुर्गों के लिए आयुष्मान कार्ड कैंप लगाया

नोएडा (चेतना मंच)। गोविंद शर्मा आरडब्ल्यूए अध्यक्ष एवं सीएस सेक्टर-26 गोविंद शर्मा ने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए सेक्टर-26 में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत लोगों को सुविधा प्रदान करने के लिए दूसरे कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें काफी लोगों ने अपना नाम रजिस्टर करवाया।

गोविंद शर्मा ने बताया कि भविष्य में भी जब कोई सेक्टर का नागरिक या आसपास के सेक्टर का कोई व्यक्ति चाहेगा, तब दोबारा से जनहित में कैंप का आयोजन करवाया जाएगा।

अशोक चौहान ने अन्य सेक्टर की आरडब्ल्यूए तथा अन्य सामाजिक संस्थाओं से अपील की कि वे भी वरिष्ठ नागरिकों के सहयोग के लिए अपने-अपने सेक्टरों में कैंप लगाएं, ताकि अधिक से अधिक वरिष्ठ नागरिक इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकें।

इस अवसर पर गोविंद शर्मा ने भी अपना नाम इस योजना के अंतर्गत रजिस्टर करवाया।

मेरठ जोन के अधिकारियों के साथ बैठक

नोएडा (चेतना मच)। यातायात नियमों के प्रति लोगों में जागरूक कराने और यातायात के नियमों का पालन कराने के उद्देश्य से बी एन

सिंह (परिवहन आयुक्त उत्तरप्रदेश) ने नोएडा स्थित सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय पर मेरठ जोन के सभी एन सी आर में स्थित आठ जिलों के परिवहन अधिकारिओं के साथ बैठक की। बैठक में डीटीसी मेरठ जोन हरिशंकर सिंह, आरटीओ सहारनपुर देवमणि भारतीय, आरटीओ मेरठ हिमेश तिवारी, राजकुमार सिंह, आरटीओ गाजियाबाद पीके सिंह एआरटीओ नोयडा डा0 सियाराम वर्मा, डॉ0 उदित नारायन, विपिन चौधरी व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आपको बता दें कि बी एन सिंह (परिवहन आयुक्त उत्तरप्रदेश) ने नोएडा स्थित सह संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय पर मेरठ जोन के एन सी आर में स्थित सभी 8 जिलो के परिवहन अधिकारियो के साथ बैठक ली जिसमें प्रवर्तन (इन्फोर्समेन्ट) कार्य को प्रभावी बनाने पर जोर देते हुए पहले यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने व यातायात नियमों का पालन कराने हेतु प्रभावी कार्यवाही करने हेतु सभी आरटीओ एवं एआरटीओ को निर्देशित किया गया। वही प्रवर्तन की कार्यवाही को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु ढ्ढ.ञ्ज.रूस्र व्यवस्था (इन्टी ग्रेटेड ट्रैफिक मैनिजमेंट सिस्टम) के तहत प्रवर्तन की कारवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। इसमे नोयडा शहर, ग्रेटर नोयडा में विभिन्न चैराहो पर लगाए गए कैमरो से आटामेटिक रूप से लिए फोटो के आधार पर चिह्नित कर फिटनेस, कर बकाया, परमिट समाप्त ऐसे वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु निर्देश जारी किया गया। पेट्रोल पम्प पर बिना हेलमेट दुपहिया वाहनों चालकों को नहीं दी जाय पेट्रोल।

बैठक के दौरान परिवहन आयुक्त उत्तरप्रदेश ने सख्त निर्देशित करते हुए कहा कि दुपहिया वाहन चालकों को वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेल्मेट लगाने हेतु नये विचार प्रस्तुति किया गया। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने जनपद के जिलाधिकारी एवं जिला पूर्ति अधिकारी के माध्यम से जनपद के पेट्रोल पम्पस के द्वारा पेट्राल देते समय दो पहिया वाहन चालक को हेल्मेट लगाने पर ही पेट्रोल दें। इससे सभी दो पहिया वाहन चालक जागरूक होगे और धीरे-2 सभी लोग हेलमेट का शत प्रतिशत प्रयोग करना शुरू कर देगें।

बैठक के दौरान उन्होंने बताया कि जिन व्यावसायिक वाहनों पर कर बकाया हैं उन वाहन स्वामियों से परिवहन विभाग द्वारा लागू ओटीएस स्कीम के तहत कर बसूली का कार्य प्रभावी रूप से किया जाय साथ ही जिन स्कूली वाहनो के परमिट व फिटनेस समाप्त है उन पर कारवाही हेतु निर्देशित किया गया। शहर में विभिन्न चौराहे पर खड़े ई रिक्शा एवं आटो के कारण लगने वाले जाम के खिलाफ कार्यवाही की जाय साथ ही कर बकाये में शास्ति माफी हेतु 0.ञ्जस् स्कीम एवं बकायेदारों के परमिट निरस्तीकरण योजना पर विचार करने हेतु कहा गया। अभी वायोमेट्रिक एआरटीओ नोएडा टेस्ट का कार्य विसाहड़ा (दादरी) से होता है। इससे नोएडा व गौतमबुद्धनगर के निवासियों को राहत मिलेगी।

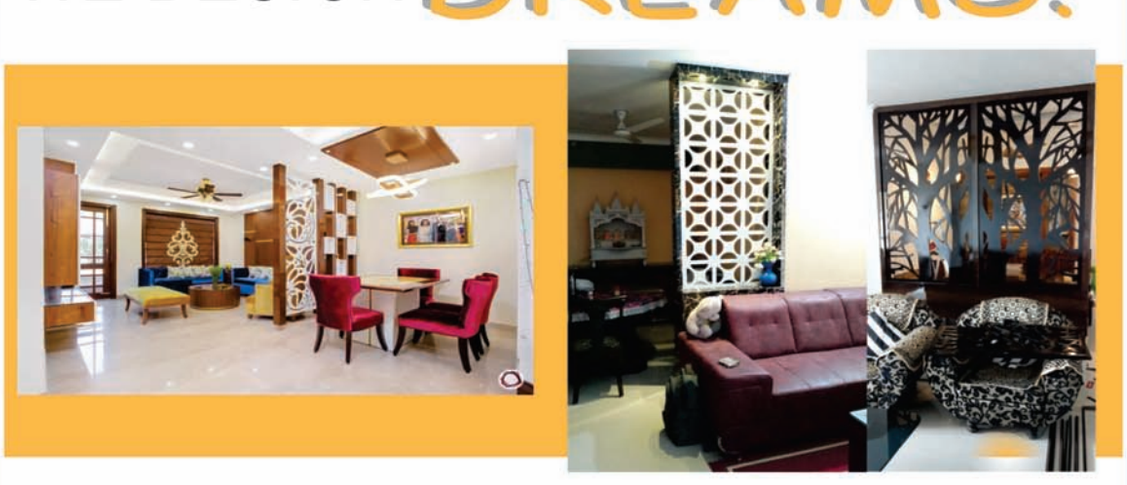

बैठक के अन्त में आगामी 6 जनवरी से शुरू होने वाले सड़क सुरक्षा सप्ताह के प्रति आम जन मानस को जागरूक करने के साथ साथ अधिकतम प्रवर्तन की कारवाही हेतु सम्बंधित अधिकारिओं को निर्देशित किया गय।